

وَمَا مِنْ دَابَّةٍ فِي الْأَرْضِ إِلَّا عَلَى اللَّهِ رِزْقُهَا وَيَعْلَمُ

और जमीन में कोई चौपाया नहीं मगर अदलाह के जिम्मे उस की रोजी है और वो उस के दाईमी

مُسْتَقَرَّهَا وَ مُسْتَوْدَعَهَا ۖ كُلُّ فِي كِتَابٍ مُبِينٍ ۝

ठिकाने और आरजी ठिकाने को जानता है. सब कुछ साफ़ साफ़ बयान करने वाली किताब (लखे मलझूज)

وَهُوَ الَّذِي خَلَقَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ فِي سِتَّةِ

में है. और वही अदलाह है जिस ने आस्मानों और जमीन को पैदा किया छे दिन

أَيَّامٍ وَكَانَ عَرْشُهُ عَلَى الْمَاءِ لِيَبْلُوكُمْ أَيُّكُمْ

में और उस का अर्श पानी पर था ताके वो तुम्हें आज़माओ के तुम में से कौन

أَحْسَنُ عَمَلًا ۖ وَلَئِنْ قُلْتُمْ إِنَّكُمْ مَبْعُوثُونَ

अच्छे अमल वाला है. और अगर आप कहते हैं के यकीनन तुम जिन्दा कर के उठाओ

مِنْ بَعْدِ الْمَوْتِ لَيَقُولَنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا إِنْ هَذَا

जाओगे मौत के बाद तो ज़रूर काफ़िर कहेंगे के ये नहीं है

إِلَّا سِحْرٌ مُّبِينٌ ۝ وَلَئِنْ أَخْرْنَا عَنْهُمُ الْعَذَابَ

मगर भुला जाइ. और अगर हम उन से अज़ाब मुअप्पर कर दें अक मालूम

إِلَىٰ أُمَّةٍ مَّعْدُودَةٍ لَيَقُولَنَّ مَا يَحْسِبُهُ ۖ إِلَّا يَوْمَ

वकत तक के लिये तब भी वो यकीनन कहेंगे के किस ने अज़ाब को रोक रखा है? सुनो! जिस दिन वो

يَأْتِيهِمْ لَيْسَ مَصْرُوفًا عَنْهُمْ وَ حَاقَ بِهِمْ مَا كَانُوا

अज़ाब उन के पास आओगा तो उन से डटाया नहीं जाओगा और उन्हें घेर लेगा वो अज़ाब

بِهِ يَسْتَهْزِءُونَ ۝ وَلَئِنْ أَذَقْنَا الْإِنْسَانَ مِنَّا رَحْمَةً

जिस का वो मज़ाक उडा रहें थे. और अगर इन्सान को हम अपनी तरफ़ से रहमत यभाओं

ثُمَّ نَرَعْنَاهَا مِنْهُ ۖ إِنَّهُ لَيَكْفُرُ ۝

फ़िर उस से उस को छीन दें, तो यकीनन वो मायूस नाशुका बन जाता है.

وَلَئِنْ أَذَقْنَاهُ نِعْمَاءَ بَعْدَ ضِرَّاءٍ مَسَّتْهُ لَيَقُولَنَّ ذَهَبَ

और अगर हम उसे नेअमत यभाओं किसी तकलीफ़ के बाद जो उसे पछोयी हो तो ज़रूर वो कहेगा के

السَّيِّئَاتُ عَنِّي ۖ إِنَّهُ لَفَرِحٌ فَخُورٌ ۝ إِلَّا الَّذِينَ

मुज से भुराईयां दूर हो गई. यकीनन वो ईतराने वाला, इफ़्र करने वाला है. मगर वो लोग

صَبَرُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ ۖ أُولَٰئِكَ لَهُمْ مَغْفِرَةٌ

जिन्होंने ने सध्र किया और नेक अमल करते रहे. उन के लिये मगफिरत है

وَأَجْرٌ كَبِيرٌ ۝ فَلَعَلَّكَ تَارِكٌ بَعْضَ مَا يُؤْتَىٰ

और बडा अजर है. शायद आप छोड दें उस के बाज डिस्से को जो आप की तरफ वडी किया जा रहा है

إِلَيْكَ وَضَائِقٌ بِهِ صَدْرُكَ أَنْ يَقُولُوا لَوْلَا أُنزِلَ

और आप का सीना उस की वजह से तंग हो रहा है, ये इस वजह से के वो केडते हैं के उस पर कोई

عَلَيْهِ كُنُزٌ أَوْ جَاءَ مَعَهُ مَلَكٌ ۖ إِنَّمَا أَنْتَ نَذِيرٌ

भजाना कयूं नही उतारा गया या उस के साथ कोई इरिश्ता कयूं नही आया? आप तो सिर्फ डराने वाले हैं.

وَاللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ وَكِيلٌ ۝ أَمْ يَقُولُونَ افْتَرَاهُ

और अल्लाह हर चीज पर कारसाज है. क्या ये केडते हैं के इस नबी ने उस को घड लिया?

قُلْ فَأْتُوا بِعَشْرِ سُوْرٍ مِّثْلِهِ مُفْتَرِيْتٍ وَادْعُوا

आप इरमा दीजिये के तुम उस के जैसी घडी कुछ इस सूरतें ले आओ और तुम

مَنْ اسْتَطَعْتُمْ مِّنْ دُونِ اللَّهِ إِنْ كُنْتُمْ صَادِقِيْنَ ۝

उन को भी बुला लो जिन की तुम ताकत रभते हो अल्लाह के अलावा अगर तुम सच्ये हो. फिर

فَالَمْ يَسْتَجِيبُوا لَكُمْ فَاعْلَمُوا أَنَّمَا أُنزِلَ بِعِلْمِ

अगर वो तुम्हारी बात का जवाब न दे सके तो जान लो के जो आप की तरफ उतारा गया है वो अल्लाह के

اللَّهِ وَأَنَّ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ ۖ فَهَلْ أَنْتُمْ مُّسْلِمُونَ ۝

ईल्म से है और ये के अल्लाह के सिवा कोई माबूद नही है. फिर क्या तुम ईस्लाम लाते हो?

مَنْ كَانَ يُرِيدُ الْحَيَاةَ الدُّنْيَا وَزِينَتَهَا نُوَفِّ

जो दुन्यवी जिन्दगी चाहेगा और उस की जीनत, तो हम उन को उन के आमाज का दुन्या में

إِلَيْهِمْ أَعْمَالَهُمْ فِيهَا وَهُمْ فِيهَا لَا يُبْخَسُونَ ۝

पूरा पूरा भदला दे देंगे और उन के लिये उस में कमी नही की जायेगी.

أُولَٰئِكَ الَّذِينَ لَيْسَ لَهُمْ فِي الْآخِرَةِ إِلَّا النَّارُ ۗ

उन लोगों के लिये आभिरत में सिवाअे आग के कुछ नही होगा.

وَحَبِطَ مَا صَنَعُوا فِيهَا وَبِطُلُ مَا كَانُوا

और बेकार हो जायेंगे वो अमल जो उन्होंने ने दुन्या में किये और भातिल होंगे वो जो वो

يَعْمُونَ ﴿۱۴﴾ أَفَمَنْ كَانَ عَلَىٰ بَيِّنَةٍ مِّن رَّبِّهِ وَيَتْلُوهُ

करते थे. क्या फिर वो शम्स जो अपने रब की तरफ से रोशन रास्ते पर है और अल्लाह की तरफ से

شَاهِدٌ مِّنْهُ وَمِنْ قَبْلِهِ كَتَبَ مُوسَىٰ إِمَامًا وَرَحْمَةً ۗ

एक शाहिद उस के साथ साथ है और उस से पेटले मूसा (अलैहिस्सलाम) की किताब पेशवा और रहमत थी.

أُولَٰئِكَ يُؤْمِنُونَ بِهِ ۗ وَمَنْ يَكْفُرْ بِهِ مِنَ الْأَحْزَابِ

ये लोग उस पर ईमान रखते हैं. और जो उस के साथ कुफ़ करेगा गिरोहों में से

فَالنَّارُ مَوْعِدُكَ ۚ فَلَا تَكُ فِي مِرْيَةٍ مِّنْهُ ۗ إِنَّهُ

तो दोज़ाब उस की वादे की जगा है. फिर आप उस की तरफ से शक में न रहिये.

الْحَقُّ مِّن رَّبِّكَ وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يُؤْمِنُونَ ﴿۱۵﴾

यकीनन ये उक है आप के रब की तरफ से लेकिन अकसर लोग ईमान नहीं लाते.

وَمَنْ أَظْلَمُ مِمَّنِ افْتَرَىٰ عَلَى اللَّهِ كَذِبًا ۗ أُولَٰئِكَ

और उस से ज़यादा जालिम कौन होगा जो अल्लाह पर जूठ घडे. ये लोग

يُعْرَضُونَ عَلَىٰ رَبِّهِمْ وَ يَقُولُ الْأَشْهَادُ هَؤُلَاءِ

अपने रब के सामने पेश किये जायेंगे और गवाही देने वाले कहेंगे के ये वो हैं

الَّذِينَ كَذَبُوا عَلَىٰ رَبِّهِمْ ۗ أَلَا لَعْنَةُ اللَّهِ

जिन्होंने ने अपने रब पर जूठ बोला. सुनो! अल्लाह की लानत है

عَلَى الظَّالِمِينَ ﴿۱۶﴾ الَّذِينَ يَصُدُّونَ عَن سَبِيلِ اللَّهِ

जालिमों पर. उन पर जो अल्लाह के रास्ते से रोकते हैं

وَيَبْغُونَهَا عَوَجًا ۗ وَهُمْ بِالْآخِرَةِ هُمْ كَافِرُونَ ﴿۱۷﴾

और उस में कज्ज तलाश करते हैं. और वो आभिरत के भी मुन्किर हैं.

أُولَٰئِكَ لَمْ يَكُونُوا مُعْجِزِينَ فِي الْأَرْضِ

ये लोग जमीन में (भाग कर) अल्लाह को आजिज नहीं कर सकते

وَمَا كَانَ لَهُمْ مِّن دُونِ اللَّهِ مِنْ أَوْلِيَاءَ ۗ يُضَعِفُ

और उन के लिये अल्लाह के अलावा कोई हिमायती नहीं होगा. उन के लिये

لَهُمُ الْعَذَابُ ۗ مَا كَانُوا يَسْتَطِيعُونَ السَّمْعَ وَمَا

अजाब दुगना किया जायेगा. वो सुनने की ताकत नहीं रखते थे और न

كَانُوا يُبْصِرُونَ ﴿۱۰﴾ أُولَئِكَ الَّذِينَ خَسِرُوا أَنْفُسَهُمْ

देख सकते थे. यही हैं जिन्होंने अपनी जानों को बसारे में डाला

وَصَلَّ عَنْهُمْ مِمَّا كَانُوا يَفْتَرُونَ ﴿۱۱﴾ لَا جْرَمَ أَتَّهُمْ

और उन से भोगे वो जो वो घडा करते थे. यकीनन ये

فِي الْآخِرَةِ هُمُ الْآخْسَرُونَ ﴿۱۲﴾ إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا

आभिरत में सब से ज्यादा बसारे वाले हैं. यकीनन वो लोग जो ईमान लाये

وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ وَآخَبَتُوا إِلَىٰ رَبِّهِمْ ۗ أُولَئِكَ أَصْحَابُ

और नेक काम करते रहे और अपने रब की तरफ आजिजी की. ये लोग

الْجَنَّةِ ۗ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ﴿۱۳﴾ مَثَلُ الْفَرِيقَيْنِ

जानती हैं, वो उस में हमेशा रहेंगे. दोनों जमातों का डाल ऐसा है जैसा के

كَالْعُصَىٰ وَالْأَصْبَعِ ۗ وَالْبَصِيرِ وَالسَّمِيعِ ۗ هَلْ يَسْتَوِينَ

अन्धा और भेडरा और देखने वाला और सुनने वाला. क्या दोनों बिसाल के अँतेबार से बराबर

مَثَلًا ۗ أَفَلَا تَذَكَّرُونَ ﴿۱۴﴾ وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا نُوحًا

डो सकते हैं? क्या फिर तुम नसीहत डालिसल नहीं करते? और यकीनन हम ने नूह (अलैडिस्सलाम) को भेजा

إِلَىٰ قَوْمِهِ ۚ إِنِّي لَكُمْ نَذِيرٌ مُّبِينٌ ﴿۱۵﴾ أَنْ لَا تَعْبُدُوا إِلَّا اللَّهَ ۗ

उन की कौम की तरफ के मैं तुम्हारे लिये साफ साफ डराने वाला हूँ. ये के ईबाहत मत करो मगर अल्लाड की.

إِنِّي أَخَافُ عَلَيْكُمْ عَذَابَ يَوْمِ إِلْيَمٍ ﴿۱۶﴾ فَقَالَ

यकीनन मैं तुम पर अक दहनाक दिन के अजाब से डरता हूँ. फिर आप

الْمَلَأُ الَّذِينَ كَفَرُوا مِنْ قَوْمِهِ مَا تَرِكَ

की कौम में से काकर सरदारों ने कडा के हम आप को नहीं देखते मगर अपने

إِلَّا بَشَرًا مِّثْلَنَا وَمَا تَرِكَ اتَّبَعَكَ إِلَّا الَّذِينَ هُمْ

जैसा ईन्सान और हम आप को नहीं देखते के आप का ईत्तिबा किया मगर उन लोगों ने जो

أَرَادْنَا بِأَدْيِ الرَّأْيِ ۗ وَمَا نَرَىٰ لَكُمْ عَلَيْنَا

हम में सब से ज्यादा जलील हैं सरसरी नजर में. और हम तुम्हारे लिये अपने पर कोई इज्जिलत भी

مِنْ فَضْلٍ ۗ بَلْ نُنَظُّكُمْ كَذِبِينَ ﴿۱۷﴾ قَالَ يَقَوْمِ أَرَأَيْتُمْ

नहीं देखते, बल्के हम तुम्हें जूडा गुमान करते हैं. नूह (अलैडिस्सलाम) ने इरमाया अ मेरी कौम! तुम्हारी

إِنْ كُنْتُ عَلَىٰ بَيِّنَةٍ مِّن رَّبِّي وَآتَيْنِي رَحْمَةً

क्या राय है अगर मैं अपने रब की तरफ से रोशन रास्ते पर हूँ और उस ने मुझे अपनी तरफ से रહमत

مِّنْ عِنْدِهِ فَعَمَّيْتُ عَلَيْكُمْ ۖ أَنْزِلْ مَكُوهَا وَأَنْتُمْ

अता की हो, और वो रोशन रास्ता तुम पर धुपा दिया जाये तो क्या हम तुम से उस खिदायत को ज़बरदस्ती थिपका दे

لَهَا كَرِهُونَ ﴿١١﴾ وَ يَقَوْمِ لَآ أَسْأَلُكُمْ عَلَيْهِ مَا لَآ

ईस डाल में के तुम उस को नापसन्द करते हो? और अ मेरी कौम! मैं तुम से ईस पर किसी माल का सवाल

إِنْ أَجْرِي إِلَّا عَلَى اللَّهِ وَمَا أَنَا بِطَارِدِ الَّذِينَ

नहीं करता. मेरा अजर तो अल्लाह के जिम्मे है और मैं उन को धुत्कारने वाला नहीं हूँ जो ईमान

أَمَنُوا ۖ إِنَّهُمْ مُّلقُوا رَبَّهُمْ وَلَكِيّنٍ آرزِكُمْ قَوْمًا

लाये हैं. यकीनन वो अपने रब से मिलने वाले हैं लेकिन मैं तुम्हें ऐसी कौम देख रहा हूँ

تَجْهَلُونَ ﴿١٢﴾ وَ يَقَوْمِ مَن يَنْصُرُنِي مِنَ اللَّهِ

जो जहालत की भाते करते हो. और अ मेरी कौम! कौन बचायेगा मुज को अल्लाह की गिरिफ्त से

إِنْ طَرَدْتَهُمْ ۖ أَفَلَا تَذَكَّرُونَ ﴿١٣﴾ وَلَا أَقُولُ لَكُمْ عِنْدِي

अगर मैं ईन्हें धुत्कार हूँ? क्या फिर तुम नसीहत डालसिल नहीं करते? और मैं तुम से नहीं केडता के

خَزَائِنِ اللَّهِ وَلَا أَعْلَمُ الْغَيْبِ وَلَا أَقُولُ إِنِّي

मेरे पास अल्लाह के भजाने हैं और न मैं गैब जानता हूँ और न मैं ये केडता हूँ के मैं

مَلِكٌ وَلَا أَقُولُ لِلَّذِينَ تَرْدِرُمِي أَعْيُنَكُمْ

इरिशता हूँ और न मैं ये केडता हूँ उन लोगो के मुतअद्लिक जिन को तुम्हारी निगाहें उकीर समजती हैं के

لَنْ يُؤْتِيَهُمُ اللَّهُ خَيْرًا ۖ اللَّهُ أَعْلَمُ بِمَا فِي أَنْفُسِهِمْ ۗ

अल्लाह उन को उरगिज कोई भलाई नहीं देगा. अल्लाह भूभ जानता है उस को जो उन के दिलो में है.

إِنِّي إِذَا لَمِنَ الظَّالِمِينَ ﴿١٤﴾ قَالُوا يَنْوُحُ قَدْ جَدَلْتَنَا

यकीनन तब तो मैं ज़ालिमों में से बन जाउंगा. उन्हो ने कडा अ नूड! यकीनन आप ने हम से जघडा किया, फिर

فَأَكْثَرْتَ جِدَالَنَا فَأْتَنَا بِمَا تَعَدُّنَا إِنْ كُنْتَ

आप ने हम से बहुत ज्यादा जघडा कर लिया, ईस लिये आप हमारे पास लेआईये वो अज़ाब जिस से आप हमें डरा रहे

مِنَ الصّٰدِقِينَ ﴿١٥﴾ قَالَ إِنَّمَا يَأْتِيكُمْ بِهِ اللَّهُ إِنْ

है अगर आप सख्यो में से हैं नूड (अलैउस्सलाम) ने इरमाया के वो अज़ाब तो तुम्हारे पास सिई अल्लाह ही लायेगा

شَاءَ وَمَا أَنْتُمْ بِمُعْجِزِينَ ﴿۳۱﴾ وَلَا يَنْفَعُكُمْ نُصْحِي

अगर वो चाहेगा और तुम उस वकत अदलाउ को आजित नही कर सकोगे. और तुम्हें मेरी नसीहत झार्छा

إِنْ أَرَدْتُ أَنْ أَنْصَحَ لَكُمْ إِنْ كَانَ اللَّهُ يُرِيدُ

नही देगी अगर मैं चाहूँ के मैं तुम्हारे लिये जैरज्वाही करूँ अगर अदलाउ तुम्हें गुमराउ करने का

أَنْ يُغْوِيَكُمْ ۖ هُوَ رَبُّكُمْ تَوَّابٌ وَإِلَيْهِ تُرْجَعُونَ ﴿۳۲﴾

धरादा करे. वही तुम्हारा रब है. और उसी की तरफ तुम लौटाये जाओगे. क्या वो

أَمْ يَقُولُونَ افْتَرَاهُ ۗ قُلْ إِنْ افْتَرَيْتُهُ فَعَلَىٰ إِجْرَائِي

केहते हैं के इस नबी ने उस को घड लिया है? आप इरमा दीजिये के अगर मैं ने उस को घडा है तो मेरे

وَأَنَا بَرِيءٌ ۖ مِمَّا تُجْرِمُونَ ﴿۳۳﴾ وَ أَوْحَىٰ إِلَىٰ نُوْحٍ

उपर मेरा जुर्म है और मैं तुम्हारे जुर्मों से बरी हूँ. और नूउ (अलैडिस्सलाम) की तरफ वही की गछ के

أَنَّكَ لَنْ يُّؤْمِنَ مِنْ قَوْمِكَ إِلَّا مَنْ قَدْ آمَنَ

आप की कौम में से डरगिउ धिमान नही लाअेंगे मगर वो जो धिमान ला चुके,

فَلَا تَبْتَئِسْ بِمَا كَانُوا يَفْعَلُونَ ﴿۳۴﴾ وَأَصْنَعِ الْفُلَٰكَ

धिस लिये आप मायूस न हों उन डरकतों की वजह से जो वो कर रहे हैं. और आप कशती बनाधये

بِأَعْيُنِنَا ۖ وَ وَحِينَا وَلَا تَخَاطَبُنِي فِي الدِّينِ

डमारी आंभों के सामने और डमारे डुकम से और आप डम से गुइतगू न कीजिये उन के बारे में

ظَلَمُوا ۗ إِنَّهُمْ مُّغْرَقُونَ ﴿۳۵﴾ وَيَصْنَعِ الْفُلَٰكَ ت

जो जालिम हैं. धिस लिये के ये गक किये जाअेंगे. और कशती बना रहे थे नूउ (अलैडिस्सलाम).

وَكَلَّمَآ مَرَّ عَلَيْهِ مَلَأٌ مِّنْ قَوْمِهِ سَخِرُوا مِنْهُ ۗ قَالَ

और जब कभी आप पर आप की कौम में से कोछ रधिस जमाअत गुजरती तो वो आप से मजाक करती.

إِنْ تَسَخَرُوا مِنَّا فَإِنَّا نَسَخَرُ مِنْكُمْ

नूउ (अलैडिस्सलाम) इरमाते के अगर तुम डम से मजाक करते हो, तो यकीनन डम भी तुम से मजाक करेगे

كَمَا تَسَخَرُونَ ﴿۳۶﴾ فَسَوْفَ تَعْلَمُونَ ۚ مَنْ يَّاتِيهِ عَذَابٌ

जिस तरह तुम मजाक करते हो. अनकरीभ तुम्हें मालूम हो जाअेगा के किस पर अैसा अजाभ आता है

يُخْزِيهِ وَيَجِلُّ عَلَيْهِ عَذَابٌ مُّقِيمٌ ﴿۳۷﴾ حَتَّىٰ إِذَا

जो उसे रुस्वा कर देगा और किस पर दधभी अजाभ उतरता है. यहां तक के जब डमारा (अजाभ का)

جَاءَ أَمْرُنَا وَفَارَ التَّنُورُ ۖ قُلْنَا أَحْمِلْ فِيهَا

हुकम आया और तन्नूर जोश मारने लगा तो हम ने कड़ा के उस में आप सवार करा लीजिये हर किस्म

مِنْ كُلِّ زَوْجَيْنِ اثْنَيْنِ وَأَهْلَكَ إِلَّا مَنْ سَبَقَ عَلَيْهِ

से जोडा (यानी) दो दो (नर और मादा) और अपने अंजल को मगर वो जिन के मुतअदिलक पेडले बात

الْقَوْلِ وَمَنْ آمَنَ ۗ وَمَا آمَنَ مَعَهُ إِلَّا قَلِيلٌ ﴿٣٠﴾

हो चुकी है और उन लोगों को जो ईमान लाये हैं. और आप के साथ ईमान नहीं लाये थे मगर थोड़े.

وَقَالَ ارْكَبُوا فِيهَا بِسْمِ اللَّهِ مَجْرِبَهَا وَمُرسِلُهَا ۗ

और नूह (अलैहिससलाम) ने इरमाया के तुम उस में सवार हो जाओ, अल्लाह के नाम से उस का चलना है और उस का ठेहरना है.

إِنَّ رَبِّي لَغَفُورٌ رَحِيمٌ ﴿٣١﴾ وَهِيَ تَجْرِي بِهِمْ فِي مَوْجٍ

यकीनन मेरा रब अछोत जयादा बफ़शने वाला, निहायत रहम वाला है. और ये कशती उन को ले कर चलती रही

كَالْجِبَالِ تَوَدَّى نُوحٌ ابْنَهُ وَكَانَ فِي مَعْزِلٍ

ऐसी मौजों में जो पहाड़ों की तरह थी. नूह (अलैहिससलाम) ने अपने बेटे को पुकारा और वो किनारे में था,

يُبَيِّنُ ارْكَبْ مَعَنَا وَلَا تَكُنْ مَعَ الْكَافِرِينَ ﴿٣٢﴾

ओ मेरे बेटे! तू हमारे साथ सवार हो जा और तू काफ़िरों के साथ मत रहे.

قَالَ سَاوِي إِلَىٰ جَبَلٍ يَعْصِمُنِي مِنَ الْمَاءِ ۗ قَالَ

बेटे ने कड़ा अनकरीब में पनाह दूंगा इस पहाड़ पर जो मुझे पानी से बचा लेगा. नूह (अलैहिससलाम) ने इरमाया

لَا عَاصِمَ الْيَوْمَ مِنْ أَمْرِ اللَّهِ إِلَّا مَنْ رَحِمَهُ ۗ وَحَالٌ

के आज अल्लाह के अज़ाब से कोई बचा नहीं सकता मगर वो जिस पर अल्लाह रहम करे. और उन दोनों के

بَيْنَهُمَا الْمَوْجُ فَكَانَ مِنَ الْمُغْرَقِينَ ﴿٣٣﴾ وَقِيلَ يَا رَأْسُ

दरमियान मौज डार्डल हो गई, फिर वो डूबने वालों में से हो गया. और हुकम आया के ओ जमीन!

أَبْلَعِي مَاءَكَ وَيَسْمَاءُ أَقْبَعِي وَغِيصَ الْمَاءِ وَقُضِيَ

तू अपना पानी निगल ले और ओ आस्मान! तू थम जा, और पानी भुशक हो गया और मुआमला

الْأَمْرُ وَأَسْتَوَتْ عَلَىٰ الْجُودِيِّ وَقِيلَ بُعْدًا لِلْقَوْمِ

भत्म हो गया और कशती ठेहर गई जूदी पहाड़ पर और कड़ा गया के जालिम कौम का

الظَّالِمِينَ ﴿٣٤﴾ وَنَادَىٰ نُوحٌ رَبَّهُ فَقَالَ رَبِّ إِنَّ ابْنِي

नास हो. और नूह (अलैहिससलाम) ने अपने रब को पुकारा, फिर कड़ा ओ मेरे रब! मेरा बेटा मेरे अंजल

سورة هود فصل ثامن والعشرون

١١

مِنْ أَهْلِي وَإِنَّ وَعْدَكَ الْحَقُّ وَأَنْتَ أَحْكَمُ

مैं से था और यकीनन तेरा वादा सच्चा है और तू तमाम फ़ैसला करने वालों में बेहतरीन फ़ैसला

الْحَكِيمِينَ ﴿۳۵﴾ قَالَ يُنُوحُ إِنَّهُ لَيْسَ مِنْ أَهْلِكَ ۚ إِنَّهُ

करने वाला है. अब्लाह ने फ़रमाया अे नूह! यकीनन वो आप के अेडल में से नही था. इस लिये के उस का

عَمَلٌ غَيْرٌ صَالِحٌ ۗ فَلَا تَسْأَلْنِ مَا لَيْسَ لَكَ بِهِ عِلْمٌ ۗ

अमल गैर सालिह था. इस लिये आप मुज से अैसा सवाल न करें जिस का आप को इल्म नही.

إِنِّي أَعْظَمُكَ أَنْ تَكُونَ مِنَ الْجَاهِلِينَ ﴿۳۶﴾ قَالَ رَبِّ

मैं तुम्हे नसीहत करता हूँ इस की के तुम जहालत करने वालों में से न हो जाओ. नूह (अलैडिस्सलाम) ने अर्ज किया

إِنِّي أَعُوذُ بِكَ أَنْ أَسْأَلَكَ مَا لَيْسَ لِي بِهِ عِلْمٌ ۗ

अे मेरे रब! मैं तेरी पनाह याहता हूँ इस से के मैं तुज से सवाल करूं अैसी चीज का जिस का मुजे इल्म नही.

وَإِلَّا تَغْفِرْ لِي وَتَرْحَمْنِي أَكُنْ مِنَ الْخَسِرِينَ ﴿۳۷﴾

और अगर तू मेरी मगफ़िरत नही करेगा और मुज पर रहम नही करेगा तो मैं असारा उठाने वालों में से बन जाउंगा.

قِيلَ يُنُوحُ اهِبْ بِسَلَامٍ مِّنَّا وَبَرَكَاتٍ عَلَيْكَ

कहा गया अे नूह! आप उमारी तरफ़ से सलामती और बरकतों के साथ उतर जाइये, आप पर भी

وَ عَلَىٰ أُمَّمٍ مِّمَّنْ مَعَكَ ۗ وَأُمَّمٌ سَنُنَبِّئُكُم

और उन उम्मतों पर भी जो आप के साथ हैं. और बहोत सी उम्मतें हैं अनकरीब उम उन्हे फ़ाईदा

ثُمَّ يَسْأَلُهُمْ مِّنَّا عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿۳۸﴾ تِلْكَ مِنْ أَنْبَاءِ

उठाने देंगे, फिर उन्हे उमारी तरफ़ से दहनाक अजाब पडोंयेगा. ये गैब की जबरों में से

الْغَيْبِ نُوحِيهَا إِلَيْكَ ۚ مَا كُنْتَ تَعْلَمُهَا أَنْتَ

है जिसे उम आप की तरफ़ वही कर रहे हैं, जो आप और आप की कौम

وَلَا قَوْمَكَ مِنْ قَبْلِ هَذَا ۗ فَاصْبِرْ ۗ إِنَّ الْعَاقِبَةَ

इस से पेडले जानती नही थी. इस लिये आप सध्र कीजिये. यकीनन अरध्या अ-जाम

لِلْمُتَّقِينَ ﴿۳۹﴾ وَإِلَىٰ عَادٍ أَخَاهُمْ هُودًا ۗ قَالَ يَقَوْمِ

मुत्कियों के लिये है. और कौमे आद की तरफ़ भेजा उन के भाई हूद (अलैडिस्सलाम) को. हूद (अलैडिस्सलाम) ने फ़रमाया

اعْبُدُوا اللَّهَ مَا لَكُمْ مِنْ إِلَهٍ غَيْرُهُ ۗ إِنْ أَنْتُمْ إِلَّا

अे मेरी कौम! तुम अब्लाह की इबादत करो, तुम्हारे लिये उस के अलावा कोई माबूद नही. तुम तो सिर्फ़



مُفْتَرُونَ ﴿۵۱﴾ يَقَوْمٍ لَا أَسْأَلُكُمْ عَلَيْهِ أَجْرًا إِنْ أَجْرِي

जूह घडते छो. अे मेरी कौम! में तुम से उस पर किसी अजर का सवाल नहीं करता. मेरा अजर तो

إِلَّا عَلَى الَّذِي فَطَرَنِي ۖ أَفَلَا تَعْقِلُونَ ﴿۵۱﴾ وَيَقَوْمٍ

सिई उस अल्लाह के जिम्मे है जिस ने मुजे पैदा किया. क्या फिर तुम अकल नहीं रभते? और अे मेरी कौम!

اسْتَغْفِرُوا رَبَّكُمْ ثُمَّ تُوبُوا إِلَيْهِ يُرْسِلِ السَّمَاءَ عَلَيْكُمْ

तुम अपने रभ से ईस्तिगफर करो, फिर उस की तरफ तौबा करो, तो वो तुम पर आस्मान को भरसता हुवा

مَدْرَارًا ۖ وَيَزِدْكُمْ قُوَّةً إِلَىٰ قُوَّتِكُمْ وَلَا تَتَوَلَّوْا

छोडेगा और तुम्हारी मौजूहा कुवत में और कुवत का ईजाफा करेगा और मुजरिम बन कर

مُجْرِمِينَ ﴿۵۲﴾ قَالُوا يَهُودُ مَا جِئْتَنَا بِبَيِّنَةٍ وَمَا نَحْنُ

पुशत मत फेरो. उन्हों ने कडा अे हूह! तुम हमारे पास कोई मोअजिजा नहीं लाअे और हम अपने माबूहों को

بِتَارِكِي آلِهَتِنَا عَنْ قَوْلِكَ وَمَا نَحْنُ لَكَ بِمُؤْمِنِينَ ﴿۵۳﴾

तुम्हारे केडने की वजह से छोडने वाले नहीं हैं और हम आप पर ईमान लाने वाले नहीं हैं.

إِنْ تَقُولُ إِلَّا اعْتَرِكَ بَعْضُ آلِهَتِنَا بِسُوءٍ ۖ

हम नहीं केडते मगर ये के हमारे माबूहों में से किसी ने आप को कोई बुराई लगा दी है.

قَالَ إِنِّي أَشْهَدُ اللَّهَ وَاشْهَدُوا إِنِّي بَرِيءٌ

हूह (अलैहिस्सलाम) ने फरमाया के मैं अल्लाह को गवाह बनाता हूं और तुम भी गवाह रहो के मैं बरी हूं उन थीजों

مِمَّا تَشْرِكُونَ ﴿۵۴﴾ مِنْ دُونِهِ فَكَيْدُونِي جَمِيعًا ثُمَّ

से जिन को तुम शरीक ठेहराते छो. अल्लाह के अलावा. फिर तुम ईकडे छो कर मेरे बिलाइ तहबीर कर लो,

لَا تُنظَرُونَ ﴿۵۵﴾ إِنِّي تَوَكَّلْتُ عَلَى اللَّهِ رَبِّي وَرَبِّكُمْ ۖ

फिर मुजे मोडलत भी मत दो. यकीनन में ने अल्लाह पर तवकुल किया जो मेरा और तुम्हारा रभ है.

مَا مِنْ دَابَّةٍ إِلَّا هُوَ آخِذٌ بِنَاصِيَتِهَا ۖ إِنَّ رَبِّي

कोई यौपाया नहीं मगर वो (अल्लाह) उस की योटी पकडे हुवे है. यकीनन मेरा रभ

عَلَىٰ صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ ﴿۵۶﴾ فَإِنْ تَوَلَّوْا فَقَدْ أَبْغَضْتُمْ

सीधे रास्ते पर है. फिर अगर तुम औराज करो तो में ने तुम्हें पछोया दिया वो जिस को दे कर

مَا أُرْسِلْتُ بِهِ إِلَيْكُمْ ۖ وَيَسْتَخْلِفُ رَبِّي قَوْمًا غَيْرَكُمْ ۖ

में तुम्हारी तरफ भेजा गया हूं. और मेरा रभ तुम्हारे अलावा किसी और कौम को जानशीन बनाअेगा.

وَلَا تَضُرُّونَهُ شَيْئًا ۚ إِنَّ رَبِّي عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ حَفِيظٌ ﴿۶۷﴾

और तुम उस को जरा भी ज़रूर नहीं पहुँचा सकते। यकीनन मेरा रब हर चीज़ की हिफ़ाज़त करने वाला है।

وَلَمَّا جَاءَ أَمْرُنَا نَجَّيْنَا هُودًا ۖ وَالَّذِينَ آمَنُوا مَعَهُ

और जब हमारा (अज़ाब का) हुक़म आया तो हम ने हुद (अलैहिस्सलाम) को और उन लोगों को जो उन के साथ

بِرَحْمَةٍ مِّنَّا ۚ وَنَجَّيْنَاهُمْ مِّنْ عَذَابٍ غَلِيظٍ ﴿۶۸﴾

ईमान लाये थे अपनी रज़मत से नज़ात दी। और हम ने उन्हें सज़ा अज़ाब से नज़ात दी।

وَتِلْكَ عَادٌ ۖ جَاءُوا بِآيَاتِ رَبِّهِمْ وَعَصَوْا رُسُلَهُ

और ये कौमे आद है, जिन्होंने ने अपने रब की आयात का इन्कार किया और अद्वाल के पैग़म्बरों की

وَاتَّبَعُوا أَمْرَ كُلِّ جَبَّارٍ عَنِيدٍ ﴿۶۹﴾ وَأَتَّبَعُوا فِي هَذِهِ

नाज़रमानी की और वो हर ज़ालिम सरकश के हुक़म के पीछे चले। और इस दुनिया में उन के पीछे

الدُّنْيَا لَعَنَةً ۖ وَيَوْمَ الْقِيَامَةِ ۚ أَلَا إِنَّ عَادًا كَفَرُوا

लानत कर दी गई और क़यामत के दिन भी। सुनो! यकीनन कौमे आद ने अपने रब से

رَبَّهُمْ ۚ أَلَا بُعْدًا لِّعَادٍ قَوْمِ هُودٍ ﴿۷۰﴾ وَإِلَىٰ ثَمُودَ

कुड़ किया। सुनो! कौमे आद का नास हो, हुद (अलैहिस्सलाम) की कौम का। और कौमे समूह की तरफ़ भेजा

أَخَاهُمْ طَيْحًا ۚ قَالَ يَقَوْمِ اعْبُدُوا اللَّهَ مَا لَكُمْ

उन के भाई सालेह (अलैहिस्सलाम) को। सालेह (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया अमेरी कौम! अद्वाल की ईबाहत करो,

مِّنْ إِلَهِ غَيْرُهُ ۚ هُوَ أَنشَأَكُمْ مِّنَ الْأَرْضِ

तुम्हारे लिये उस के अलावा कोई माबूह नहीं। उसी ने तुम्हें ज़मीन से पैदा किया

وَاسْتَعْمَرَكُمْ فِيهَا فَاسْتَغْفِرُوا لَهُ ثُمَّ تَوَبُّوا إِلَيْهِ ۚ

और उस ने तुम्हें ज़मीन में आबाह किया तो तुम उस से इस्तिग़फ़ार करो, फिर उस की तरफ़ तौबा करो।

إِنَّ رَبِّي قَرِيبٌ مُّجِيبٌ ﴿۷۱﴾ قَالُوا يٰصَلِحُ قَدْ كُنْتَ

यकीनन मेरा रब करीब, तौबा कबूल करने वाला है। उन्होंने ने कडा के अे सालेह! यकीनन आप हमारे

فِيْنَا مَرْجُوًّا قَبْلَ هَذَا ۖ أَتَنْهَانَا أَنْ نَعْبُدَ مَا يَعْبُدُ

अन्दर काबिले उम्मीह थे इस से पेड़ले। क्या आप हमें रोकते हो इस से के हम ईबाहत करे उन चीज़ों की

أَبَاؤُنَا وَإِنَّا لَفِي شَكٍّ مِّمَّا تَدْعُونَا

जिन की हमारे बाप दादा ईबाहत करते थे? और यकीनन हम उस की तरफ़ से गेडरे शक में हैं जिस की तरफ़

إِلَيْهِ مُرِيبٍ ﴿۳۱﴾ قَالَ يَقَوْمِ أَرَأَيْتُمْ إِنْ كُنْتُمْ

تुम हमें दावत देते हो। सालेह (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया अ मेरी कौम! तुम्हारी क्या राय है अगर मैं

عَلَىٰ بَيْنَتِي مِّن رَّبِّي وَ أَتَيْنِي مِنْهُ رَحْمَةً فَمَنْ

अपने रब की तरफ से रोशन रास्ते पर हूँ और उस ने मुझे अपनी तरफ से रहमत अता की हो,

يَنْصُرُنِي مِنَ اللَّهِ إِنْ عَصَيْتُهُ فَمَا تَزِيدُونَنِي

इर मुझे अल्लाह की गिरिफ्त से कौन बचायेगा अगर मैं अल्लाह की नाइरमानी करूँ? इर तुम मुझे

غَيْرَ تَحْسِيرٍ ﴿۳۲﴾ وَ يَقَوْمِ هَذِهِ نَاقَةُ اللَّهِ لَكُمْ

नहीं बण्डाते सिवाअे बसारे के। और अ मेरी कौम! ये अल्लाह की गिंटनी तुम्हारे लिये

آيَةً فَذَرُوهَا تَأْكُلْ فِي أَرْضِ اللَّهِ وَلَا تَمَسُّوهَا

निशानी है, तो तुम उस को छोड दो के अल्लाह की जमीन में भाअे और तुम उसे बुराई के साथ

بِسُوءٍ فَيَأْخُذْكُمْ عَذَابٌ قَرِيبٌ ﴿۳۳﴾ فَعَقَرُوهَا

मत छुओ, वरना तुम्हें करीबी अजाब पकड लेगा। इर उन्हों ने गिंटनी के पैर काट दिये

فَقَالَ تَمَتَّعُوا فِي دَارِكُمْ ثَلَاثَةَ أَيَّامٍ ذَٰلِكَ

तो सालेह (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया के मजे उडा लो अपने घरों में तीन दिन. ये अैसा वादा है

وَعْدٌ غَيْرُ مَكْدُوبٍ ﴿۳۴﴾ فَلَمَّا جَاءَ أَمْرُنَا بَنِيَّانَا

जो जुठलाया नहीं जा सकता. इर जब हमारा (अजाब का) हुकम आया तो हम ने सालेह (अलैहिस्सलाम)

صَلِحًا وَالَّذِينَ آمَنُوا مَعَهُ بِرَحْمَةٍ مِنَّا

को और उन लोगों को जो आप के साथ इमान लाअे थे हमारी रहमत से

وَمِنْ خِزْيِ يَوْمِئِذٍ إِنَّ رَبَّكَ هُوَ الْقَوِيُّ الْعَزِيزُ ﴿۳۵﴾

और उस दिन की रुस्वाई से नजात दी. यकीनन तेरा रब वो कुव्वत वाला, जबरदस्त है.

وَ أَخَذَ الَّذِينَ ظَلَمُوا الصَّيْحَةَ فَأَصْبَحُوا

और जालिमों को थीब ने पकड लिया, इर वो अपने घरों में

فِي دِيَارِهِمْ جُثَمِينَ ﴿۳۶﴾ كَان لَّمْ يَغْنَوْا فِيهَا ۗ أَلَا

घुटनों के बल पडे रेह गअे. गोया के वो उस में बसे ही नहीं थे. सुनो!

إِنَّ شَمُودَ أَكْفَرُوا رَبَّهُمْ ۗ أَلَا بَعْدَ لَثَمُودَ ﴿۳۷﴾

यकीनन कौमे समूह ने कुई किया अपने रब के साथ. सुनो! नास हो कौमे समूह के लिये.

وَلَقَدْ جَاءَتْ رُسُلَنَا إِبْرَاهِيمَ بِالْبُشْرَى قَالُوا

और यकीनन हमारे भेजे हुवे इरिशते एब्राहीम (अलैहिस्सलाम) के पास बशारत ले कर आये तो उन्हों ने कहा

سَلَامًا ۞ قَالَ سَلَامٌ فَمَا لَبِثَ أَنْ جَاءَ بِعِجْلٍ حَنِيذٍ ۞

अस्सलामु अलयकुम. एब्राहीम (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया अस्सलामु अलयकुम, इर वो नही ठेकरे के (मुना हुवा बघडा

فَلَمَّا رَأَى أَيْدِيَهُمْ لَا تَصِلُ إِلَيْهِ نَكِرَهُمْ وَأَوْجَسَ

ले आये. इर जब एब्राहीम (अलैहिस्सलाम) ने उन के हाथ देखे के उस (आने) तक नही पडोयते तो उन को अजनबी मडसूस

مِنْهُمْ خِيفَةً ۞ قَالُوا لَا تَخَفْ إِنَّا أُرْسِلْنَا إِلَىٰ قَوْمٍ

किया और उन की तरफ से भौंक मडसूस किया. इरिशतों ने कहा के आप भौंक न कीजिये, यकीनन हम तो कौमे लूत

لُوطٍ ۞ وَأَمْرَاتُهُ قَائِمَةٌ فَضَحِكْتُمْ فَبَشَّرْنَاهَا

की तरफ भेजे गये हैं. और एब्राहीम (अलैहिस्सलाम) की भीवी बडी हु ए थी, इर वो उंस पडी तो हम ने

بِإِسْحَاقَ ۖ وَمِنْ وَرَاءِ إِسْحَاقَ يَعْقُوبَ ۗ قَالَتْ

उ-हो बशारत ही एस्छाक की. और एस्छाक के पीछे यअकूब की. वो केउने लगी

يُؤْيَلِيَّتِي ۖ أَلِدُ وَأَنَا عَجُوزٌ وَهَذَا بَعْلِي شَيْخًا ۖ

हाय अइसोस! क्या मैं औलाद जनुंगी हावांके मैं भूणडी हूं और ये मेरे शौहर भूणडे हैं.

إِنَّ هَذَا لَشَيْءٌ عَجِيبٌ ۗ قَالُوا أَتَعْبَجِبِينَ

यकीनन ये काबिले तअजजुब थील है. उन्हों ने कहा के क्या तुम तअजजुब करती हो

مِنْ أَمْرِ اللَّهِ رَحِمَتُ اللَّهِ وَبَرَكَتُهُ عَلَيْكُمْ أَهْلَ الْبَيْتِ ۖ

अल्लाह के हुकम से? अल्लाह की रहमत और उस की बरकतें तुम अउले बैत पर हैं.

إِنَّهُ حَمِيدٌ مَّجِيدٌ ۗ فَلَمَّا ذَهَبَ عَنْ إِبْرَاهِيمَ

यकीनन वो अल्लाह काबिले तारीफ, भुजुर्ग है. इर जब एब्राहीम (अलैहिस्सलाम) से भौंक हूर

الرَّوْعُ وَجَاءَتْهُ الْبُشْرَى يُجَادِلُنَا فِي قَوْمِ

हो गया और उन के पास बशारत आई, तो वो हम से कौमे लूत के बारे में जघडने

لُوطٍ ۞ إِنَّ إِبْرَاهِيمَ لَحَلِيمٌ أَوَّاهٌ مُنِيبٌ ۞

लगे. यकीनन एब्राहीम (अलैहिस्सलाम) निहायत भुर्हभार, आहो (मरने वाले, तौबा करने वाले थे.

يَا إِبْرَاهِيمُ اعْرِضْ عَنْ هَذَا ۖ إِنَّهُ قَدْ جَاءَ أَمْرٌ

अे एब्राहीम! एस से आप औराज कीजिये, यकीनन आप के रब का हुकम

رَبِّكَ ۚ وَإِنَّهُمْ لَاتِيهِمْ عَذَابٌ غَيْرُ مَرْدُودٍ ﴿۱۱﴾

आ गया. और यकीनन उन के पास ऐसा अजाब आने वाला है जो लौटाया नहीं जायेगा. और जब

وَلَمَّا جَاءَتْ رُسُلُنَا لُوطًا سِئَاءً بِهِمْ وَضَاقَ

उमारे भेजे हुवे इरिशते लूत (अलैडिस्सलाम) के पास आये तो वो उन की वजह से गमगीन हुवे और उन की

بِهِمْ ذُرْعًا ۚ وَقَالَ هَذَا يَوْمٌ عَصِيبٌ ﴿۱۲﴾ وَجَاءَهُ

वजह से तंगदिल हुवे और लूत (अलैडिस्सलाम) ने इरमाया ये भडा सप्त दिन है. और लूत (अलैडिस्सलाम) के

قَوْمُهُ يُهْرَعُونَ إِلَيْهِ ۚ وَمَنْ قَبْلُ كَانُوا يَعْمَلُونَ

पास उन की कौम आई उन की तरफ तेज दौडती हुई. और वो पेडले से भुराईयां करते थे.

السَّيِّئَاتِ ۗ قَالَ يَقَوْمِ هَؤُلَاءِ بَنَاتِي هُنَّ أَطْهَرُ

लूत (अलैडिस्सलाम) ने इरमाया अ मेरी कौम! ये मेरी बेटियां ये तुम्हारे लिये जयादा पाकीजा

لَكُمْ فَاتَّقُوا اللَّهَ وَلَا تَخْزُونِ فِي ضَيْفِي ۗ أَلَيْسَ

है, फिर तुम अल्लाह से डरो और मुझे मेरे मेडमानों के बारे में रुस्वा मत करो. क्या तुम

مِنْكُمْ رَجُلٌ رَشِيدٌ ﴿۱۳﴾ قَالُوا لَقَدْ عَلِمْتَ مَا لَنَا

में से कोई खिदायतयाइता शप्स नहीं? वो केडने लगे यकीनन आप को मालूम है के डमें

فِي بَنَاتِكَ مِنْ حَقِّ ۚ وَإِنَّكَ لَتَعْلَمُ مَا نُرِيدُ ﴿۱۴﴾

आप की बेटियों में कोई रगभत नहीं है. और यकीनन आप जानते हैं वो जो डम याडते हैं.

قَالَ لَوْ أَنَّ لِي بِكُمْ قُوَّةٌ أَوْ آوِيٌّ إِلَىٰ رُكْنٍ

लूत (अलैडिस्सलाम) ने इरमाया कश के मुझे तुम पर कुव्वत डोती या मैं किसी मजभूत कभीले की तरफ

شَدِيدٍ ﴿۱۵﴾ قَالُوا يَلُوطُ إِنَّا رُسُلُ رَبِّكَ لَنْ يَصِلَوْا

पनाड लेता. उन्डों ने कडा के अ लूत! यकीनन डम तेरे रभ के भेजे हुवे इरिशते हैं, वो डरगिज आप तक

إِلَيْكَ فَاسْرِبْ بِأَهْلِكَ بِقِطْعٍ مِّنَ اللَّيْلِ

नहीं पडोंय सकेंगे, इस लिये आप अपने घर वालों को ले कर रात के किसी डिस्से में सकर कर जाईये

وَلَا يَلْتَفِتْ مِنْكُمْ أَحَدٌ إِلَّا امْرَأَتَكَ ۗ إِنَّهُ مُصِيبُهَا

और तुम में से कोई पीछे मुड कर न देभे मगर आप की भीवी. के डसे वो अजाब पडोंयने वाला है

مَا أَصَابَهُمْ ۗ إِنَّ مَوْعِدَهُمُ الصُّبْحُ ۗ أَلَيْسَ الصُّبْحُ

जो उन को पडोंयेगा. यकीनन उन के अजाब के वादे का वकत सुब्ह का वकत है. क्या सुब्ह

بِقَرِيبٍ ﴿١٦﴾ فَلَمَّا جَاءَ أَمْرُنَا جَعَلْنَا عَلَيْهَا سَافِلَهَا

करीब नहीं है? फिर जब हमारे अजाब का हुकम आ गया तो हम ने उस के उपर वाले हिस्से को उस के नीचे वाला

وَأَمْطَرْنَا عَلَيْهَا حِجَارَةً مِّنْ سِجِّيلٍ ۖ مَّنْضُودٍ ﴿١٧﴾

हिस्सा बना दिया और हम ने उन के उपर मिट्टी के पथर बरसाये, जो लगातार बरस रहे थे.

مُسَوَّمَةً عِنْدَ رَبِّكَ ۗ وَمَا هِيَ مِنَ الظَّالِمِينَ

जो निशानजदा थे तेरे रब के पास. और ये बस्ती जालिमों से कुछ दूर

بِبَعِيدٍ ﴿١٨﴾ وَإِلَىٰ مَدْيَنَ أَخَاهُمْ شُعَيْبًا ۗ قَالَ

नहीं है. और मद्यन वालों की तरफ उन के भाई शुअैब (अलैहिस्सलाम) को भेजा. शुअैब (अलैहिस्सलाम)

يَقَوْمِ اعْبُدُوا اللَّهَ مَا لَكُمْ مِّنْ إِلَهِ غَيْرُهُ ۗ

ने इरमाया के अमेरी कौम! अद्लाह की एबाहत करो, तुम्हारे लिये उस के अलावा कोई भाबूद नहीं.

وَلَا تَنْقُصُوا الْبِكْيَالَ وَالْمِيزَانَ إِنِّي أُرْكُمُ بِخَيْرٍ

और तुम नाप और तोल में कमी न करो, इस लिये के मैं तुम्हें अच्छी डालत में देण रहा हूँ

وَإِنِّي أَخَافُ عَلَيْكُمْ عَذَابَ يَوْمٍ مُّحِيطٍ ﴿١٩﴾ وَيَقَوْمِ

और मैं तुम पर अक घेरने वाले दिन के अजाब का भौंक करता हूँ. और अमेरी कौम!

أَوْفُوا بِالْبِكْيَالَ وَالْمِيزَانَ بِالْقِسْطِ وَلَا تَبْخَسُوا

नाप और तोल को ए-साफ के साथ पूरा पूरा हो और लोगों को उन की

النَّاسَ أَشْيَاءَهُمْ وَلَا تَعْثَوْا فِي الْأَرْضِ مُفْسِدِينَ ﴿٢٠﴾

चीजों कम कर के मत हो और जमीन में इसाह फैलाते हुवे मत फिरो.

بَقِيَّتِ اللَّهُ خَيْرٌ لَّكُمْ إِن كُنْتُمْ مُّؤْمِنِينَ ۗ

अद्लाह की बकिय्या चीजें तुम्हारे लिये बेहतर हैं अगर तुम एमान वाले हो.

وَمَا أَنَا عَلَيْكُمْ بِخَفِيظٍ ﴿٢١﴾ قَالُوا يَشْعِيبُ أَسْلَوْتِكَ

और मैं तुम पर मुडाफिज नहीं हूँ. वो केहने लगे अ शुअैब! क्या आप की नमाज आप को इस का

تَأْمُرُكَ أَنْ تَتْرُكَ مَا يَعْبُدُ آبَاؤُنَا أَوْ أَنْ تَفْعَلَ

हुकम देती है के हम छोड दें उन को जिन की हमारे बाप दादा एबाहत करते थे या ये के हम अपने

فِي أَمْوَالِنَا مَا نَشَاءُ ۗ إِنَّكَ لَأَنْتَ الْحَلِيمُ الرَّشِيدُ ﴿٢٢﴾

मालों में करना छोड दें जो हम चाहें? यकीनन तुम हिस्म वाले, हिदायतयाइता हो.

قَالَ يَقَوْمِ أَرَأَيْتُمْ إِنْ كُنْتُ عَلَىٰ بَيْنَةٍ مِنْ رَبِّي

शुआब (अलौहिस्सलाम) ने इरमाया के अमे मेरी कौम! अतलाओ अगर मैं अपने रब की तरफ से वाजेह रास्ते पर हूँ

وَرَزَقْنِي مِنْهُ رِزْقًا حَسَنًا ۖ وَمَا أُرِيدُ أَنْ أُخَالِفَكُمْ

और उस ने मुझे अपनी तरफ से अच्छी रोजी दी हो. और मैं नहीं चाहता के तुम्हारी मुआलफत करूँ

إِلَىٰ مَا أَنهَكُم عَنْهُ ۖ إِنْ أُرِيدُ إِلَّا الْإِصْلَاحَ

उन चीजों को कर के जिन से मैं तुम्हें रोकता हूँ. मैं तो सिर्फ इस्लाह चाहता हूँ जितनी मैं

مَا اسْتَطَعْتُ ۖ وَمَا تَوْفِيقِي إِلَّا بِاللَّهِ ۖ عَلَيْهِ تَوَكَّلْتُ

ताकत रहूँ. और मेरी तौफिक नहीं है मगर अल्लाह की तरफ से. उसी पर मैं ने तवक्कुल किया

وَأَلَيْهِ أُنِيبُ ۖ وَيَقَوْمِ لَا يَجْرِمَنَّكُمْ شِقَاقِي

और उसी की तरफ मैं रूजूअ करता हूँ. और अमे मेरी कौम! मेरी मुआलफत तुम्हें इस बात की तरफ न

أَنْ يُصِيبَكُمْ مِثْلُ مَا أَصَابَ قَوْمَ نُوحٍ أَوْ قَوْمَ هُودٍ

ले जाये के तुम्हें पड़ोय जाये उस जैसा अजाब जो कौमे नूह या कौमे हूद या कौमे सालेह

أَوْ قَوْمَ صَالِحٍ ۖ وَمَا قَوْمٌ لَوْطٍ مِّنْكُمْ بَبَعِيدٍ ۖ وَاسْتَغْفِرُوا

को पड़ोया. और कौमे लूत तुम से कुछ दूर नहीं है. और तुम अपने रब से इस्तिगफार करो,

رَبَّكُمْ ثُمَّ تَوَبُّوا إِلَيْهِ ۖ إِنَّ رَبِّي رَحِيمٌ وَدُودٌ ۖ قَالُوا

किर तुम उस की तरफ तौबा करो. यकीनन मेरा रब अडोत जयादा रहम करने वाला, मडुबहत करने वाला है. उनहों

يُشْعِبُ مَا نَفَقَهُ كَثِيرًا مِّمَّا تَقُولُ وَإِنَّا لَنَرِيكَ

ने कछा के अमे शुआब! हम अडोत सी बातें नहीं समजते उस मेसे जो तुम कहेते हो और यकीनन हम तुम्हें अपने

فِينَا ضَعِيفًا ۖ وَلَوْلَا رَهْطُكَ لَرَجَمْنَاكَ ۖ وَمَا أَنْتَ

दरमियान कमजोर देम रहे है. और अगर आप का कभीला न होता, तो हम आप को रजम कर देते. और आप

عَلَيْنَا بِعَزِيزٍ ۖ قَالَ يَقَوْمِ أَرَهْطِي أَعَزُّ عَلَيْكُمْ

हम पर कुछ भारी नहीं हो. शुआब (अलौहिस्सलाम) ने इरमाया के अमे मेरी कौम! क्या मेरा कभीला तुम पर अल्लाह से

مِّنَ اللَّهِ ۖ وَاتَّخَذْتُمْ وُجُوهَ رَبِّكُمْ ظَهْرِيًّا ۖ إِنَّ رَبِّي

जयादा भारी है? और तुम ने उस को अपनी पीठ पीछे ढाल दिया है. यकीनन मेरा रब

بِمَا تَعْمَلُونَ مُحِيطٌ ۖ وَيَقَوْمِ اعْمَلُوا عَلَىٰ مَكَانَتِكُمْ

तुम्हारे आमाव को घेरे हुवे है. और अमे मेरी कौम! अपनी जगा पर रहे कर अमल करते रहो,

إِنِّي عَامِلٌ ۖ سَوْفَ تَعْلَمُونَ ۚ مَنْ يَأْتِيهِ عَذَابٌ

مैं भी अमल कर रहा हूँ. अनकरीब तुम्हें मालूम हो जायेगा के किस पर ऐसा अजाब आता है जो

يُخْزِيهِ وَمَنْ هُوَ كَاذِبٌ ۖ وَارْتَقِبُوا إِنِّي مَعَكُمْ

उस को रुस्वा कर दे और कौन खूदा है. और तुम मुन्तज़िर रहो, मैं तुम्हारे साथ धन्तिज़ार करने

رَقِيبٌ ﴿١٦﴾ وَلَمَّا جَاءَ أَمْرُنَا نَجَّيْنَا شُعَيْبًا وَالَّذِينَ

वाला हूँ और जब के हमारा अजाब आया तो हम ने शुअैब (अलैहिस्सलाम) को और उन लोगो को जो

آمَنُوا مَعَهُ بِرَحْمَةٍ مِنَّا ۚ وَآخَذَتِ الَّذِينَ ظَلَمُوا

आप के साथ धिमान लाये थे अपनी रहमत से बचा लिया. और उन जालिमों को भी ने

الصَّيْحَةَ فَأَصْبَحُوا فِي دِيَارِهِمْ جُثَيِّنَ ﴿١٧﴾ كَانُوا

पकड लिया, फिर वो अपने घरों में घुटने के बल पड़े रहे गये. गोया के वो

لَمْ يَعْزُبُوا عَنْهَا ۚ وَالَّذِينَ آمَنُوا مِن قَوْمِكَ

उस में बसे ही नहीं थे. सुनो! नास हो मद्यन के लिये जिस तरह के कौमे समूह का नास हुआ.

وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا مُوسَىٰ بِآيَاتِنَا وَسُلْطٰنٍ مُّبِينٍ ﴿١٨﴾

यकीनन हम ने मूसा (अलैहिस्सलाम) को रसूल बना कर भेजा अपने मोअज़िज़त दे कर और वाज़ेह दलील दे कर.

إِلَىٰ فِرْعَوْنَ وَوَلَّيْنَاهُ مَلَائِكَةً فَاتَّبَعُوا أَمْرَ فِرْعَوْنَ ۚ

फिरऔन और उस की कौम की तरफ़, फिर भी वो लोग फिरऔन के हुकम पर चले.

وَمَا أَمْرُ فِرْعَوْنَ بِرَشِيدٍ ﴿١٩﴾ يَقْدُمُ قَوْمَهُ يَوْمَ الْقِيٰمَةِ

और फिरऔन का हुकम अरध्ण नहीं था. वो अपनी कौम के आगे आगे कयामत के दिन चल रहा होगा,

فَأَوْرَدَهُمُ النَّارَ ۚ وَبِئْسَ الْوَرْدُ الْوَرْدُ الْمَوْرُودُ ﴿٢٠﴾ وَاتَّبَعُوا

फिर उन को दोज़भ में दाखिल करेगा. और वो उतरने का बुरा घाट है. और इस

فِي هٰذِهِ لَعْنَةٌ وَيَوْمَ الْقِيٰمَةِ ۖ بِئْسَ الرِّفْدُ

दुन्या में उन के पीछे लानत कर दी गई और कयामत के दिन भी. बडोत बुरी मदद है जो

الْمَرْفُودُ ﴿٢١﴾ ذٰلِكَ مِنْ اٰنْبَاءِ الْقُرٰى نَقِصَةٌ عَلَيْكَ

उन को दी गई. ये उन बस्तियों के किस्सों में से कुछ हम आप के सामने तिलावत करते हैं

مِنْهَا قَائِمٌ وَحَصِيدٌ ﴿٢٢﴾ وَمَا ظَلَمْنَاهُمْ وَلٰكِنْ

जिन में से कुछ बडी हुई हैं और कुछ कटी हुई हैं. और हम ने उन पर जुल्म नहीं किया, लेकिन



ظَلَمُوا أَنْفُسَهُمْ فَمَا أَغْنَتْ عَنْهُمْ آلِهَتُهُمُ الَّتِي

وہ اپنی جانوں پر ظلم کرتے تھے، کھیر ان کے کچھ کام نہیں آئے ان کے وہ ماہوہ جن کو

يَدْعُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ مِنْ شَيْءٍ لَهَا جَاءَ أَمْرٌ

وہ اہلکار کو دھوکہ کر پکارتے تھے جب کے آپ کے رب کا احکام آیا۔

رَبِّكَ ۖ وَمَا زَادُوهُمْ غَيْرَ تَتْبِيبٍ ﴿۱۱﴾ وَكَذَلِكَ أَخَذَ

اور ان (موشریکیں) کو سواہرے نیکسان کے انہوں (ماہوہوں) نے نہیں بھلائی۔ اسی تارہ آپ کے

رَبِّكَ إِذْ أَخَذَ الْقُرَىٰ وَهِيَ ظَالِمَةٌ ۖ إِنَّ أَخَذَهُ

رب کی پکڑ لیتی ہے جب وہ بستیوں کو پکڑتا ہے جب کے وہ ظالم لیتی ہے۔ یکنن اس کی پکڑ

الْيَمُّ شَدِيدٌ ﴿۱۲﴾ إِنَّ فِي ذَلِكَ لَآيَةً لِّمَنْ خَافَ

دھناک، سہت ہے۔ یکنن اس میں نیشانی ہے اس شہس کے لیے جو آہیرت کے

عَذَابِ الْآخِرَةِ ۖ ذَلِكَ يَوْمٌ مَّجْمُوعٌ لَّهُ النَّاسُ

احکام سے دے۔ یہ وہ دین ہے کے جس کے لیے اہسانوں کو جما کیا جائے اور یہ وہ دین ہے

وَ ذَلِكَ يَوْمٌ مَّشْهُودٌ ﴿۱۳﴾ وَمَا نُؤَخِّرُهُ إِلَّا لِأَجَلٍ

جس میں گواہوں کو لائیر کیا جائے۔ اور ہم اس کو مؤہمہر نہیں کر رہے مگر مؤکررہ کرے ہوں

مَّعْدُودٍ ﴿۱۴﴾ يَوْمَ يَأْتُ لَا تَكَلَّمُ نَفْسٌ إِلَّا بِإِذْنِهِ ۗ

وکت کے لیے۔ جس دین وہ آئے گا تو کوہ شہس بات نہیں کر سکتا مگر اہلکار کی اہجات سے۔

فِيهِمْ شِقَئٌ شَقِيٌّ وَسَعِيدٌ ﴿۱۵﴾ فَأَمَّا الَّذِينَ شَقُوا

کھیر ان میں سے کچھ بھبہت لہوں اور کچھ نکبہت لہوں۔ اہلہتا جو بھبہت لہوں

فَفِي النَّارِ لَهُمْ فِيهَا زَفِيرٌ وَشَهِيقٌ ﴿۱۶﴾ خُلِدِينَ فِيهَا

وہ دہوہ میں لہوں، ان کے لیے اس میں یلہلانا اور سیکریاں لہوں گی۔ جس میں وہ ہمہشا رہوں گے

مَا دَامَتِ السَّمَوَاتُ وَالْأَرْضُ إِلَّا مَا شَاءَ رَبُّكَ ۗ

جب تک آسمان اور زمین باکی ہے، مگر جیتنا آپ کا رب یاہے۔

إِنَّ رَبَّكَ فَعَالٌ لِّمَا يُرِيدُ ﴿۱۷﴾ وَأَمَّا الَّذِينَ سَعَدُوا

یکنن آپ کا رب وہی کرتا ہے جس کا وہ اہراہ کرتا ہے۔ اہلہتا جو نکبہت لہوں

فَفِي الْجَنَّةِ خُلِدِينَ فِيهَا مَا دَامَتِ السَّمَوَاتُ

وہ جننت میں لہوں جس میں وہ ہمہشا رہوں گے جب تک آسمان اور زمین

وَالْأَرْضُ إِلَّا مَا شَاءَ رَبِّكَ ۚ عَطَاءٌ غَيْرَ مَجْدُوذٍ ﴿۱۱﴾

काईम हैं, मगर जितना आप का रब चाहे. ऐसी अता के तौर पर जो बन्द नहीं की जायेगी.

فَلَا تَكُ فِي مِرْيَةٍ مِمَّا يَعْبُدُ هَؤُلَاءِ ۚ مَا يَعْبُدُونَ

झिंर आप शक में न रलिये उस की तरफ से जिन की ये लोग ईबाहत करते हैं. ये ईबाहत नहीं करते हैं

إِلَّا كَمَا يَعْبُدُ آبَاؤُهُمْ مِنْ قَبْلُ ۚ وَإِنَّا لَمُوقِفُوهُمْ

मगर उसी तरह जिस तरह के इस से पेडले उन के बाप दादा ईबाहत करते थे. और यकीनन हम उन को उन का

نَصِيبُهُمْ غَيْرَ مَنْقُوصٍ ﴿۱۲﴾ وَلَقَدْ آتَيْنَا مُوسَىٰ

डिस्सा पूरा पूरा देने वाले हैं इस डाल मेंके वो कम नहीं किया जायेगा. और यकीनन हम ने मूसा (अलैडिस्सलाम)

الْكِتَابَ فَاخْتَلَفَ فِيهِ ۚ وَلَوْلَا كَلِمَةٌ سَبَقَتْ

को किताब दी, झिंर उस में ईभितलाइ किया गया. और अगर अक बात आप के रब की तरफ से पेडले डो चुकी

مِنْ رَبِّكَ لَقُضِيَ بَيْنَهُمْ ۚ وَإِنَّهُمْ لَفِي شَكٍّ مِمَّنْهُ

न डोती तो उन के दरमियान झैसला कर दिया जाता. और यकीनन वो उस की तरफ से डडे शक

مُرِيبٍ ﴿۱۳﴾ وَإِنَّ كَلِمَةً لَّيَأْتِيَنَّهُمْ مِنْ رَبِّكَ

में हैं. और बेशक सब को आप का रब उन के आमाल पूरे पूरे देगा. इस लिये के वो

أَعْمَالَهُمْ ۚ إِنَّهُ بِمَا يَعْمَلُونَ خَبِيرٌ ﴿۱۴﴾ فَاسْتَقِمْ

उन के आमाल से पूरी तरह बाभबर है. इस लिये आप ईस्तिकामत ईभितयार कीजिये जैसा आप को

كَمَا أُمِرْتَ وَمَنْ تَابَ مَعَكَ وَلَا تَطْغَوْا ۚ إِنَّهُ

डुकम दिया गया है, और वो लोग भी जिन्हों ने आप के साथ तौबा की है, और तुम दाईरे से न निकलो.

بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ ﴿۱۵﴾ وَلَا تَرْكُؤُوا إِلَى الَّذِينَ

यकीनन वो तुम्हारे आमाल को देख रहा है. और तुम उन डालिमों की तरफ डरा भी मैलान

ظَلَمُوا فَتَمَسَّكُمُ النَّارُ ۖ وَمَا لَكُمْ مِنْ دُونِ اللَّهِ

न करना, वरना तुम्हें आग पडोय कर रहेगी. और तुम्हारे लिये अद्लाड के सिवा कोई डिमायती

مِنْ أَوْلِيَاءٍ ثُمَّ لَا تُنصَرُونَ ﴿۱۶﴾ وَأَقِمِ الصَّلَاةَ طَرَفِي

नहीं डोंगे, झिंर तुम्हारी नुस्तर नहीं की जायेगी. और आप दिन के डोनों किनारों

النَّهَارِ وَزُلْفًا مِّنَ اللَّيْلِ ۚ إِنَّ الْحَسَنَاتِ يُدْهَبْنَ

में और रात की ईभितदाई घडियों में नमाज काईम कीजिये. यकीनन नेकियां डुराईयों को

السَّيِّئَاتِ ۖ ذٰلِكَ ذِكْرِي لِلذَّكِّرِيْنَ ﴿۱۱۳﴾ وَاَصْبِرْ

भत्म कर देती हैं. ये याद रखने वालों के लिये याददहानी है. और आप सध्र कीजिये,

فَاِنَّ اللّٰهَ لَا يُضَيِّعُ اَجْرَ الْهٰسِنِيْنَ ﴿۱۱۴﴾

इर यकीनन अद्लाह नेकी करने वालों का अजर ञयेअ नडी करते.

فَلَوْلَا كَانَ مِنَ الْقُرُونِ مِنْ قَبْلِكُمْ اُولُو بَقِيَّةٍ

इर उन कौमों में से जो तुम से पेडले थीं अकल वाले लोग कयूं न हुवे

يَسْتَهْوَوْنَ عَنِ الْفَسَادِ فِي الْاَرْضِ اِلَّا قَلِيْلًا مِّمَّنْ

जो ञमीन में इसाद से रोकते सिवाअे थोडे लोगों के उन में से

اَنْجَيْنَا مِنْهُمْ ۗ وَاتَّبَعَ الَّذِيْنَ ظَلَمُوْا مَا اُتْرَفُوْا فِيْهِ

जिन को डम ने नजत दी? और ञलिम लोग उस के पीछे पडे जिस में उन्हे अैश मिला,

وَكَانُوْا مُجْرِمِيْنَ ﴿۱۱۵﴾ وَمَا كَانَ رَبُّكَ لِيُهْلِكَ

और वो मुजरिम थे. और आप का रभ अैसा नडी के बस्तियों

الْقُرٰى بِظُلْمٍ ۙ وَاَهْلَهَا مُصْلِحُوْنَ ﴿۱۱६﴾ وَلَوْ شَاءَ

को ञुल्म से डलाक कर दे जब के वडं वाले ँस्लाड कर रहे डों. और अगर आप का

رَبُّكَ لَجَعَلَ النَّاسَ اُمَّةً وَّاِحْدَةً ۗ وَلَا يَزَالُوْنَ

रभ याडता तो तमाम ँ-सानों को अेक उम्मत बना देता. और ये बराबर ँप्तिलाइ करते

مُخْتَلِفِيْنَ ۗ اِلَّا مَنْ رَّحِمَ رَبُّكَ ۗ وَلِذٰلِكَ خَلَقَهُمْ ۗ

रेडते हैं मगर जिन पर आप के रभ ने रडम किया. और ँसी वजड से अद्लाह ने उन को पैदा किया है.

وَ تَمَّتْ كَلِمَةُ رَبِّكَ لِمٰمَنَ جَهَنَّمَ مِنَ الْجِنَّةِ

और आप के रभ का कलिमा तामम डो कर रडो के में ँ-सानों और जिन्नात सभ से जडन्नम को

وَالنَّاسِ اَجْمَعِيْنَ ﴿۱۱७﴾ وَكُلًّا نَّقُصُّ عَلَيْكَ

ञरूर ढडूंगा. और डम पैगम्बरों के किरसों में से आप के सामने बयान

مِنْ اَنْبَاِ الرُّسُلِ مَا نُنشِئُ بِهٖ فُوَادًا ۗ وَجَاءَكَ

करते हैं के डम उस से आप के ढिल को मञभूत करे. और उन किरसों में आप के पास

فِيْ هٰذِهِ الْحَقُّ وَمَوْعِظَةٌ ۗ وَذِكْرِيْ لِلْمُؤْمِنِيْنَ ﴿۱۱८﴾ وَقُلْ

डक और नसीडत और ँमान वालों के लिये याददहानी आँ है. और आप इरमा दीजिये

لِّلَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ أَعْمَلُوا عَلَىٰ مَكَانَتِكُمْ ۖ إِنَّا

उन से जो ईमान नहीं लाते के तुम अपनी जगह पर रहे कर अमल करते रहो, हम भी अमल कर

عِبَلُونَ ﴿۱۲﴾ وَأَنْتَظِرُونَ ۗ إِنَّا مُنْتَضِرُونَ ﴿۱۳﴾ وَبِاللَّهِ غَيْبٌ

रहे हैं और तुम धन्तिअर करो, हम भी मुन्तिअर हैं और अदलाह ही के लिये आस्मानों और जमीन की छुपी

السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَإِلَيْهِ يُرْجَعُ الْأَمْرُ كُلُّهُ فَاعْبُدْهُ

हुई चीजों का ईलम है और उसी की तरफ़ तमाम उभूर लौटाये जायेंगे, तो आप उसी की ईबाहत कीजिये

وَ تَوَكَّلْ عَلَيْهِ ۖ وَمَا رَبُّكَ بِغَافِلٍ عَمَّا تَعْمَلُونَ ﴿۱۴﴾

और उसी पर तवक्कुल कीजिये. और आप का रब तुम्हारे अमल से बेखबर नहीं है.

رُكُوعًا ۱۲

سُورَةُ يُوسُفَ مَكِّيَّةٌ (۵۳)

آيَاتُهَا ۱۱

और १२ रुकूअ हैं

सूरअे यूसुफ़ मकका में नाजिल हुई

ईस में १११ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

पण्डता हूं अदलाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

الرَّحْمٰنُ تِلْكَ آيَةُ الْكِتٰبِ الْبَيِّنٰتِ ۗ إِنَّا أَنْزَلْنَاهُ

अलिफ़ लाम रा. ये साफ़ साफ़ बयान करने वाली किताब की आयतें हैं. यकीनन हम ने उसे

قُرْءَانًا عَرَبِيًّا لَعَلَّكُمْ تَعْقِلُونَ ﴿۱۵﴾ نَحْنُ نَقُصُّ

अरबी कुर्आन बना कर उतारा है ताके तुम समज सको. हम आप के सामने

عَلَيْكَ أَحْسَنَ الْقَصَصِ بِمَا أَوْحَيْنَا إِلَيْكَ هٰذَا

बेहतरीन किस्सा बयान करते हैं ईस कुर्आन के जरिये जो हम ने आप की तरफ़

الْقُرْءَانَ ۖ وَإِنْ كُنْتَ مِنْ قَبْلِهِ لَمِنَ الْغٰفِلِينَ ﴿۱۶﴾

वही किया. और यकीनन उस से पेहले आप बेखबर लोगों में से थे.

إِذْ قَالَ يُوسُفُ لِأَبِيهِ يَا أَبَتِ إِنِّي رَأَيْتُ أَحَدَ عَشَرَ

जब के यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) ने अपने अब्बा से कडा अे मेरे अब्बा! मैं ने ग्यारा

كَوْكَبًا وَالشَّمْسَ وَالْقَمَرَ رَأَيْتُهُمْ لِي سٰجِدِينَ ﴿۱۷﴾

सितारे और सूरज और यांढ को देभा, मैं ने उन्हे देभा के मुजे सजदा कर रहे हैं.

قَالَ يَبْنَئِي لَكَ تَقْصُصُ رُءْيَاكَ عَلَىٰ إِخْوَتِكَ

यअकूब (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया अे मेरे भेटे! अपना प्वाब अपने भाईयो के सामने बयान मत करना

فَيَكِيدُوا لَكَ كَيْدًا ۗ إِنَّ الشَّيْطَانَ لِلْإِنْسَانِ عَدُوٌّ

वरना वो तेरे खिलाफ़ तदबीर करेगे. यकीनन शैतान इन्सान का भुला हुवा

مُبِينٌ ۝ وَكَذَلِكَ يَجْتَبِيكَ رَبُّكَ وَيُعَلِّمُكَ

दुशमन है. और इसी तरह तेरा रब तुझे मुत्तमम करेगा और तुझे

مِنْ تَأْوِيلِ الْأَحَادِيثِ وَيُتِمُّ نِعْمَتَهُ عَلَيْكَ

प्राप्तों की ताबीर का इल्म देगा और अपनी नेअमत तुझ पर इत्माम तक पहुँचायेगा

وَعَلَىٰ آلِ يَعْقُوبَ كَمَا أَتَمَّهَا عَلَىٰ أَبَوَيْكَ

और आले यअकूब पर भी जैसा के उसे इत्माम तक पहुँचाया इस से पेडले तेरे अजदाद

مِنْ قَبْلِ إِبْرَاهِيمَ وَإِسْحَاقَ ۗ إِنَّ رَبَّكَ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ۝

इब्राहीम और इसहाक (अलैहिमस्सलाम) पर. यकीनन तेरा रब इल्म वाला, छिकमत वाला है.

لَقَدْ كَانَ فِي يُوسُفَ وَإِخْوَتِهِ آيَاتٍ لِلْسَّالِفِينَ ۝

यकीनन यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) और उन के भाईयों में सवाल करने वालों के लिये बहोत सी निशानियां थीं.

إِذْ قَالُوا لِيُوسُفُ وَأَخُوهُ أَحَبُّ إِلَيْنَا مِمَّا

और वो वकत काबिले जिक है जब के उनहों ने कडा के यूसुफ़ और उन का भाई हमारे अम्मा को हम से

وَوَحْنُ عُصْبَةٍ ۗ إِنَّ آبَاءَنَا لَفِي ضَلَالٍ مُّبِينٍ ۝

जयादा मडभूष हैं डालांके हम मजभूत जमाअत हैं. यकीनन हमारे अम्मा अलबता भुली गलती में हैं. तुम यूसुफ़

يُوسُفَ أَوْ اطَّرَحُوهُ أَرْضًا يَخُلُ لَكُمْ وَجْهُ أَبِيكُمْ

को कतल कर दो या उसे किसी जमीन में डेंक दो तो तुम्हारे लिये तुम्हारे अम्मा की तवज्जुड फालिस रेड

وَتَكُونُوا مِنْ بَعْدِهِ قَوْمًا صَالِحِينَ ۝ قَالَ قَائِلٌ

जाओगी और उस के बाद तुम अरखे लोग बन जाना. उन में से किसी केडने वाले

مِنْهُمْ لَا تَقْتُلُوا يُوسُفَ وَأَلْقُوهُ فِي غَيَابَتِ الْجُبِّ

ने कडा के तुम यूसुफ़ को कतल मत करो बल्के उसे कुँवों की तारीकियों में डेंक दो

يَلْتَقِطَهُ بَعْضُ السَّيَّارَةِ إِنْ كُنْتُمْ فَاعِلِينَ ۝

के उसे गुजरने वाले काइलों में से कोई उठा लेगा, अगर तुम ऐसा करने वाले हो. उनहों ने कडा के

قَالُوا يَا أَبَانَا مَا لَكَ لَا تَأْمَنَّا عَلَىٰ يُوسُفَ وَإِنَّا

अे हमारे अम्मा! आप को क्या हुवा के आप हम पर मुत्मईन नहीँ यूसुफ़ के बारे में डालांके हम

لَهُ لَنُصْحُونَ ﴿۱۱﴾ أَرْسَلَهُ مَعَنَا غَدًا يَزْتَعُ وَيَلْعَبُ

यकीनन उस के भैरव्वाह हैं. आप उसे हमारे साथ कल को भेज दीजिये के वो भाये और भेले

وَإِنَّا لَهُ لَحَفِظُونَ ﴿۱۲﴾ قَالَ إِنِّي لِيَحْزُنُنِي أَنْ تَذْهَبُوا

और यकीनन हम उस की डिफाजत करेंगे. यअकूब (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया के यकीनन मुजे ये बात गमगीन करती

بِهِ وَأَخَافُ أَنْ يَأْكُلَهُ الذِّبُّ وَأَنْتُمْ عَنْهُ

है के तुम उसे ले जाओ और मैं डरता हूं इस से के उसे भेडिया भा जाये इस डाल में के तुम उस से भेभभर हो.

غَفْلُونَ ﴿۱۳﴾ قَالُوا لَئِنْ أَكَلَهُ الذِّبُّ وَحَنُ عَصَبَةٍ إِنَّا

उन्हो ने कछा के अगर उस को भेडिया भा जाये इस डाल में के हम मजभूत नौजवान हैं, यकीनन तब तो हम

إِذَا لَخَسِرُونَ ﴿۱۴﴾ فَلَمَّا ذَهَبُوا بِهِ وَاجْمَعُوا أَنْ يَجْعَلُوهُ

उस वकत भसारे वाले होंगे. फिर जब वो यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) को ले कर गये और उन्हो ने धतिफाक कर लिया इस

فِي غَيْبَتِ الْجُبِّ ۚ وَأَوْحَيْنَا إِلَيْهِ لَتُنَبِّئَنَّهُمْ بِأَمْرِهِمْ

भात पर के यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) को कूवे की तारीकियों में डाल दें. और हम ने यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) की तरफ

هَذَا وَهُمْ لَا يَشْعُرُونَ ﴿۱۵﴾ وَجَاءُوا أَبَاهُمْ عِشَاءً

वडी की के उर आप उन को जतलाओगे उन की ये हरकत इस डाल में के उन को पता भी नही होगी. और वो अपने अभा के पास

يَتَّبِعُونَ ﴿۱۶﴾ قَالُوا يَا أَبَانَا إِنَّا ذَهَبْنَا نَسْتَبِقُ وَتَرَكْنَا

धशा के वकत रोते हुवे आये. के उने लगे के ये हमारे अभा! यकीनन हम दौडने लगे थे और हम ने

يُوسُفَ عِنْدَ مَتَاعِنَا فَأَكَلَهُ الذِّبُّ ۚ وَمَا أَنْتَ بِمُؤْمِنٍ

धोड दिया था यूसुफ़ को अपने सामान के पास, फिर उसे भेडिया भा गया. और आप हम पर यकीन करने वाले

لَنَا وَلَوْ كُنَّا صَادِقِينَ ﴿۱۷﴾ وَجَاءُوا عَلَى قَيْصِهِ بِدَمٍ

नही हैं अगर ये हम सख्ये हों. और वो यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) की कभीस पर जूठा पून ले कर

كَذِبٍ ۖ قَالَ بَلْ سَوَّلَتْ لَكُمْ أَنْفُسُكُمْ أَمْرًا ۖ فَصَبْرٌ

आये. यअकूब (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया भले तुम्हारे लिये तुम्हारे नफसों ने अक अम्र को मुजय्यन किया है. अब तो

جَمِيلٌ ۖ وَاللَّهُ الْمُسْتَعَانُ عَلَى مَا تَصِفُونَ ﴿۱۸﴾ وَجَاءَتْ

सभ्र ही भेडतर है. और अल्लाह मददगार है उस भात पर जो तुम भयान करते हो. और अक काइला

سَيَّارَةٌ فَأَرْسَلُوا وَارِدَهُمْ فَأَدْلَى دَلْوَةً ۖ قَالَ يُبْشِرُ

आया, फिर उन्हो ने अपने पानी लाने वाले को भेजा तो उस ने अपना डोल लटकाया. तो वो के उने लगा: ओ, भुशभभरी हो!

هَذَا عُلْمٌ وَأَسْرُوهُ بِضَاعَةٌ وَاللَّهُ عَلِيمٌ بِمَا يَعْمَلُونَ ﴿۱۹﴾

ये तो लडका है. और उन्होंने ने यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) को सामान बना कर छुपा दिया, और अदलाह भूष जानते हैं उस

وَأَسْرُوهُ بِشَيْنٍ بَخْسٍ دَرَاهِمَ مَعْدُودَةٍ ۚ وَكَانُوا فِيهِ

उरकत को जो वो करते थे. और उन्होंने ने यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) को बेय दिया मामूली कीमत के बदले में, गिने-चुने-यन्त दराहिम

مِنَ الرَّاهِدِينَ ۗ وَقَالَ الَّذِي اشْتَرَاهُ مِنْ مِصْرَ

के बदले में. और वो यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) में बेरगबती करने वालों में से थे. और उस शप्स ने जिस ने यूसुफ़

لِمَرْأَتِهِ أَكْرَمِي مَثْوَاهُ عَسَىٰ أَنْ يَنْفَعَنَا

(अलैहिस्सलाम) को भरीदा भिरर से उस ने अपनी बीवी से कडा के तू उन का ठिकाना अस्था रभ, हो सकता है के वो

أَوْ نَتَّخِذَهُ وَلَدًا ۗ وَكَذَلِكَ مَكَّنَّا لِيُوسُفَ فِي الْأَرْضِ

उमें नफ़ा दे या हम उसे लडका ही बना ले और इस तरह हम ने यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) को उस मुल्क में कुहरत दी.

وَلِنُعَلِّمَهُ مِنَ تَأْوِيلِ الْأَحَادِيثِ ۗ وَاللَّهُ غَالِبٌ

और इस लिये ताके हम उन्हें ज्वाओं की ताबीर सिखलाओं. और अदलाह अपने हुकम पर गालिब

عَلَىٰ أَمْرِهِ ۗ وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ﴿۲۰﴾ وَلَمَّا بَلَغَ

है लेकिन अकसर लोग जानते नहीं. और जब यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) अपनी जवानी को पड़ोय गये, तो

أَشَدَّهُ آتَيْنَهُ حُكْمًا وَعِلْمًا ۗ وَكَذَلِكَ نَجِّيَ الْحُسَيْنِينَ ﴿۲۱﴾

हम ने यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) को डिक्मत और इल्म दिया. और इसी तरह हम ने की करने वालों को भदला देते हैं.

وَرَأَوَدَتْهُ الَّتِي هُوَ فِي بَيْتِهَا عَنْ نَفْسِهِ وَغَلَّقَتِ

और यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) की तलबगार उई वो औरत जिस के कमरे में यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) थे और तमाम

الابوابَ وَقَالَتْ هَيْتَ لَكَ ۗ قَالَ مَعَاذَ اللَّهِ إِنَّهُ

दरवाजे उस ने बन्द कर लिये और केडने लगी जल्दी आ जाओ. यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) ने इरमाया अदलाह की पनाड! अजीजे

رَبِّي أَحْسَنَ مَثْوَايَ ۗ إِنَّهُ لَا يُفْلِحُ الظَّالِمُونَ ﴿۲۲﴾ وَلَقَدْ

भिरर भरे भुरबी ने यकीनन भडोत अथी तरह भुजे रभा है. यकीनन अलिम इलाड नही पाते. यकीनन उस औरत ने यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम)

هَمَّتْ بِهِ ۚ وَهَمَّ بِهَا لَوْلَا أَنَّ رَأَىٰ بُرْهَانَ رَبِّهِ ۗ

का इरादा कर ही लिया था. और यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) भी उस का इरादा कर लेते अगर अपने रभ के बुर्दान को न देभते.

كَذَلِكَ لِنَصْرِفَ عَنْهُ السُّوءَ وَالْفَحْشَاءَ ۗ إِنَّهُ مِنْ

इसी तरह (हम ने किया) ताके हम यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) से इरे देभुराई और बेडयाई को. यकीनन यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम)

عِبَادِنَا الْمُخْلَصِينَ ﴿۱۳﴾ وَاسْتَبَقَا الْبَابَ وَقَدَّتْ قَمِيصَهُ

હમારે ખાલિસ કિયે હુવે બન્દોં મેં સે થે. ઓર દોનોં દરવાજોં કી તરફ દોડે ઓર ઓરત (ઝલૈખા)

مَنْ دُبُرٍ وَأَلْفِيَا سَيِّدَهَا لَدَا الْبَابِ ۖ قَالَتْ مَا جَزَاءُ

ને યૂસુફ (અલૈહિસ્સલામ) કી કમીસ પીછે સે ફાડ દી ઓર દોનોં ને ઝલૈખા કે શૌહર કો પાયા દરવાજે કે પાસ. ઝલૈખા

مَنْ أَرَادَ بِأَهْلِكَ سُوءًا إِلَّا أَنْ يُسْجَنَ أَوْ عَذَابٌ

કેડને લગી કે ઉસ શખ્સ કી ક્યા સજા હૈ જો આપ કી બીવી કે સાથ ખુરાઈ કા ઈરાદા કરે સિવાએ ઈસ કે કે ઉસ કો કેડ કર દિયા

أَلِيمٌ ﴿۱۴﴾ قَالَ هِيَ رَأُوْدَتْنِي عَنْ نَفْسِي وَ شَهِدَ شَاهِدٌ

જાએ યા ઉસે દર્દનાક સજા દી જાએ? યૂસુફ (અલૈહિસ્સલામ) ને ફરમાયા કે યે ઓરત તો ખુદ મુજ સે મેરી તાલિબ

مِّنْ أَهْلِهَا إِنْ كَانَ قَمِيصُهُ قُدَّ مِنْ قُبُلٍ فَصَدَقَتْ

હુઈ થી ઓર ઝલૈખા કે ઘર વાલોં મેં સે એક ગવાહી દેને વાલે ને ગવાહી દી કે અગર ઉન કા કુર્તા આગે સે ફટા હુવા

وَهُوَ مِنَ الْكٰذِبِيْنَ ﴿۱۵﴾ وَإِنْ كَانَ قَمِيصُهُ قُدَّ

હૈ તો ઝલૈખા સચ્ચી હૈ ઓર યૂસુફ જૂઠોં મેં સે હૈ. ઓર અગર ઉન કા કુર્તા પીછે સે

مِّنْ دُبُرٍ فَكَذَّبَتْ وَهُوَ مِنَ الصّٰدِقِيْنَ ﴿۱۶﴾ فَلَمَّا رَأَىٰ قَمِيصَهُ

ફટા હુવા હૈ તો ઝલૈખા જૂઠી હૈ ઓર યૂસુફ સચ્ચોં મેં સે હૈ. ફિર જબ અઝીઝે મિસ્ર ને ઉન કા કુર્તા દેખા

قُدَّ مِنْ دُبُرٍ قَالَ إِنَّهُ مِنْ كَيْدِكُنَّ ۖ إِنَّ كَيْدَكُنَّ

જો ફટા હુવા થા પીછે સે તો ઉસ ને કહા કે યકીનન યે તુમ્હારી મકકારિયોં મેં સે હૈ. યકીનન તુમ્હારા મક

عَظِيْمٌ ﴿۱۷﴾ يُوسُفُ أَعْرَضُ عَنْ هٰذَا سَلِّمْ وَأَسْتَغْفِرِيْ

બડા ભારી હોતા હૈ. એ યૂસુફ! તુમ ઈસ સે ઐરાઝ કરો, ઓર (એ ઝલૈખા!) તૂ અપને ગુનાહ

لِدُنْيٰكَ ۖ إِنَّكَ كُنْتِ مِنَ الْخٰطِيْنَ ﴿۱۸﴾ وَ قَالَ نِسْوَةٌ

કે લિયે ઈસ્તિગફાર કર. યકીનન તૂ હી કુસૂરવાર હૈ. ઓર શેહર કી ઓરતોં

فِي الْمَدِيْنَةِ امْرَأَتُ الْعَزِيْزِ تُرَاوِدُ فَتْحَهَا عَنْ نَفْسِهِ ۗ

ને કહા કે અઝીઝે મિસ્ર કી બીવી અપને ગુલામ સે ઉસી કા મુતાલબા કરતી હૈ, યકીનન

قَدْ شَغَفَهَا حُبًّا ۗ إِنَّا لَنَرٰهَا فِي ضَلٰلٍ مُّبِيْنٍ ﴿۱۹﴾

ઉસ કી મહબ્બત ઉસ કે દિલ કે અન્દર ઘુસ ગઈ હૈ. યકીનન હમ ઉસે ખુલી ગલતી મેં દેખ રહી હૈ.

فَلَمَّا سَمِعَتْ بِمَكْرِهِنَّ أَرْسَلَتْ إِلَيْهِنَّ وَأَعْتَدَتْ

ફિર જબ ઉસ ને ઉન કા મકક સુના તો ઉસ ને ઉન કો ખુલાને કે લિયે આદમી ભેજા ઓર ઉન કે લિયે એક



لَهُنَّ مُتَّكَأٌ وَآتَتْ كُلَّ وَاحِدَةٍ مِّنْهُنَّ سِكِّينًا

بैठक (मजलिस) तैयार की और उन औरतों में से हर एक को छुरी दी और कड़ा के

وَقَالَتِ اخْرُجْ عَلَيْنَا ۖ فَلَبَّا رَأَيْنَهُ أَكْبَرْنَهُ وَقَطَّعْنَ

यूसुफ़! तुम हमें सामने निकल कर आओ. फिर जब उन औरतों ने यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) को देखा तो शरहर रेंड

أَيْدِيَهُنَّ وَقُلْنَ حَاشَ لِلَّهِ مَا هَذَا بَشَرًا إِنْ هَذَا

गर्द और उन्होंने ने अपने हाथ काट लिये और कड़ने लगी अल्लाह की पनाह! ये हम-सान नहीं है. ये नहीं है

إِلَّا مَلَكٌ كَرِيمٌ ﴿۳۱﴾ قَالَتْ فَذَلِكُنَّ الَّذِينَ لُتْنِي فِيهِ

मगर एक बुद्धिमान इरिश्ता. उन्होंने कड़ने लगी फिर यही वो है जिस के बारे में तुम मुझे मलामत करती थीं.

وَلَقَدْ رَاوَدْتُهُ عَنْ نَفْسِهِ فَاسْتَعْصَمَ وَلَئِن

यकीनन मैं उस की ताविल लुई, लेकिन उस ने मासूम रहना याह. और अगर वो नहीं करेगा वो जिस का

لَمْ يَفْعَلْ مَا أُمِرٌ لَّيْسَ جُنًّا وَلَيَكُونًا مِّنَ الضَّغِيرِينَ ﴿۳۲﴾

मैं उसे लुकम दे रही हूँ तो यकीनन उसे कैद कर दिया जायेगा और वो ललील लोगों में से हो जायेगा.

قَالَ رَبِّ السِّجْنُ أَحَبُّ إِلَيَّ مِمَّا يَدْعُونَنِي إِلَيْهِ ۖ

यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) ने हुआ की अमेरे रब! कैदगाना मुझे ज्यादा मलबूब है उस काम से जिस की तरफ़ ये मुझे बुला रही है.

وَالْأُتَىٰ تَصْرَفَ عَنِّي كَيْدَهُنَّ أَصْبُ إِلَيْهِنَّ وَأَكُنُّ

और अगर तू मुझ से उन की मक्कारी को नहीं करेगा तो मैं उन की तरफ़ माईल हो जाऊंगा और मैं जाहिलों में

مِّنَ الْجَاهِلِينَ ﴿۳۳﴾ فَاسْتَجَابَ لَهُ رَبُّهُ فَصَرَفَ عَنْهُ كَيْدَهُنَّ ۗ

से बन जाऊंगा. उस के रब ने उस की हुआ कबूल की, फिर यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) से उन के मक को डेर दिया.

إِنَّهُ هُوَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ ﴿۳۴﴾ ثُمَّ بَدَأَهُمْ مِّنْ بَعْدِ مَا رَأَوْا

यकीनन वो सुनने वाला, ईल्म वाला है. फिर उन्हें प्याल आया इस के बाद के उन्होंने ने भडोत सी निशानियां

الْآيَاتِ لَيَسْجُنَّهُ حَتَّىٰ حِينٍ ﴿۳۵﴾ وَدَخَلَ مَعَهُ السِّجْنَ

हैम ली के यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) को एक वकत तक के लिये कैद कर दे और यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) के साथ कैदगाने में दाखिल

فَتَيْنٍ ۗ قَالَ أَحَدُهُمَا إِنِّي أَرَانِي أَعْصِرُ خَمْرًا ۗ

हुवे दो नौजवान. उन में से एक ने कड़ा के यकीनन मैं प्याल हैम रहा हूँ के मैं शराब नियोड रहा हूँ.

وَقَالَ الْآخَرُ إِنِّي أَرَانِي رَاقٍ فَوْقَ رَأْسِي خُبْرًا تَأْكُلُ

और दूसरे ने कड़ा के मैं प्याल हैम रहा हूँ के मैं अपने सर पर रोटियां उठाओ हुवे हूँ जिस में से

الطَّيْرِ مِنْهُ ۖ نَبَّئْنَا بِتَأْوِيلِهِ ۗ إِنَّا نَرْسُكُ مِنَ الْمُحْسِنِينَ ﴿۳۷﴾

परिन्हे भा रहे हैं, अे यूसुफ़! आप उमेँ इस की ताबीर दीजिये, यकीनन हम आप को नेक लोगोँ मेँ से ढेभ रहे हैं।

قَالَ لَا يَأْتِيكُمَا طَعَامٌ تُرْزَقِينَ إِلَّا نَبَّأْتُكُمَا بِتَأْوِيلِهِ

यूसुफ़ (अलैडिस्सलाम) ने इरमाया के तुम्हारे पास नही आयेगा वो जाना जो तुम्हें जाने को दिया जाता है मगर मेँ तुम्हें उस की

قَبْلَ أَنْ يَأْتِيَكُمَا ۖ ذَٰلِكُمَا مِمَّا عَلَّمَنِي رَبِّي ۖ إِنِّي

ताबीर भतलाउँगा, इस से पेडले के वो तुम्हारे पास आये, ये उन उलूम मेँ से है जो मेरे रभ ने मुझे सिभलाये हैं, यकीनन

تَرَكْتُ مِلَّةَ قَوْمٍ لَا يُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ وَهُمْ بِالْآخِرَةِ هُمْ

मेँ ने उस कौम का मजहब छोड दिया है जो अल्लाह पर ईमान नही रभती और जो आभिरत का ईकार करने

كُفْرُونَ ﴿۳۸﴾ وَاتَّبَعْتُ مِلَّةَ آبَائِي إِبْرَاهِيمَ وَإِسْحَاقَ

वाली है, और मेँ ने अपने भाप दादा ईब्राहीम और इसहाक और यरकूब (अलैडिस्सलाम) की मिलत का ईत्तिबा

وَيَعْقُوبَ ۖ مَا كَانَ لَنَا أَنْ نَشْرِكَ بِاللَّهِ مِنْ شَيْءٍ ۗ

किया है, हमारे लिये जइज नही है के हम अल्लाह का शरीक ठेकरायेँ किसी भी चीज को।

ذَٰلِكَ مِنْ فَضْلِ اللَّهِ عَلَيْنَا وَ عَلَى النَّاسِ وَلَٰكِنَّ أَكْثَرَ

ये अल्लाह का हम पर इजल है और तमाम ईसानोँ पर भी, लेकिन अकसर

النَّاسِ لَا يَشْكُرُونَ ﴿۳۹﴾ يُصَٰحِبِي السِّجْنِ ؕ أَرْبَابٌ

लोग शुक अदा नही करते, अे केदभाने के साथियो! क्या अलग अलग

مُتَّفَرِّقُونَ خَيْرٌ أَمِ اللَّهُ الْوَاحِدُ الْقَهَّارُ ﴿۴۰﴾ مَا تَعْبُدُونَ

रभ भेडतर हैं या यकता गालिभ अल्लाह भेडतर है? तुम अल्लाह को छोड कर के

مِنْ دُونِهِ إِلَّا أَسْمَاءَ سَمَّيْتُوهَا أَنْتُمْ وَآبَاؤُكُمْ مِمَّا أُنزِلَ

ईबाहत नही करते मगर यन्द नामोँ की जो तुम और तुम्हारे भाप दादा ने रभ रभे हैं, अल्लाह ने

اللَّهُ بِهَا مِنْ سُلْطٰنٍ ۖ إِنَّ الْحُكْمَ إِلَّا لِلَّهِ ۗ أَمَرَ

उस पर कोई दलील नही उतारी, हुकम तो सिर्फ अल्लाह ही का यलता है, जिस ने हुकम दिया है

أَلَّا تَعْبُدُوا إِلَّا إِيَّاهُ ۖ ذَٰلِكَ الدِّينُ الْقَيِّمُ وَلَٰكِنَّ أَكْثَرَ

के ईबाहत मत करो मगर उसी की, यही सीधा दीन है, लेकिन लोगोँ

النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ﴿۴۱﴾ يُصَٰحِبِي السِّجْنِ ؕ أَمَّا أَحَدُكُمَا

मेँ से अकसर जानते नही हैं, अे केदभाने के साथियो! अलभत्ता तुम मेँ से अेक वो अपने

فَيَسْتَعْتِي رَبَّهُ خَمْرًا ۖ وَأَمَّا الْآخِرُ فَيُصَلِّبُ فَتَأْكُلُ الطَّيْرُ

भादशाह को शराब पिनायेगा. और अलबत्ता दूसरा उसे सूली दी जायेगी, फिर उस के सर में से

مِنْ رَأْسِهِ ۖ قُضِيَ الْأَمْرُ الَّذِي فِيهِ تَسْتَفْتِينَ ۝

परिन्दे जायेंगे. उस मुआमले का फैसला हो चुका जिस के बारे में तुम पूछ रहे हो. और

وَقَالَ لِلَّذِي ظَنَّ أَنَّهُ نَاجٍ مِّنْهُمَا اذْكُرْنِي

यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) ने उस शम्स से इरमाया के जिस के मतअद्विक आप ने गुमान किया के वो उन दोनों में से नजात पानेवाला

عِنْدَ رَبِّكَ ۚ فَآنَسَهُ الشَّيْطَانُ ذِكْرَ رَبِّهِ فَلَبِثَ فِي السِّجْنِ

उकेतुमजे अपने भादशाह के यहाँ याद रहना. फिर शैतान ने उसे भुला दिया यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) का भादशाह से तजक़िरा करना, फिर

بِضْعِ سِنِينَ ۝ وَقَالَ الْمَلِكُ إِنِّي أَرَى سَبْعَ بَقَرَاتٍ

यूसुफ़ (अलैहिस्सलाम) के हजाने में कई साल ठेकरे रहे. और भादशाह ने कडा के यकीनन मैं सात मोटी गायें देभ रडा

سِمَانٍ يَأْكُلُهُنَّ سَبْعُ عِجَافٍ وَ سَبْعَ سُنبُلَاتٍ خُضْرٍ

हूँ जिन को भा रडी हूँ सात हुबली गायें और सात सभल भोशों को देभ रडा हूँ और दूसरे सात

وَأُخْرَ يُبَسِّتُ ۖ يَأْتِيهَا الْهَلَاُ أَفْتُونٍ فِي رُءْيَايَ

भुशक भोशों को देभ रडा हूँ. अे हरबारियो! तुम मुजे बताओ मेरे ज्वाभ के बारे में

إِن كُنْتُمْ لِلرُّعْيَا تَعْبُرُونَ ۝ قَالُوا أَضْغَاثُ أَحْلَامٍ ۚ

अगर तुम ज्वाभ की ताभीर जानते हो. उनहों ने कडा के ये तो जेहनी तसव्वुरात ही के ज्वाभ हूँ. और

وَمَا نَحْنُ بِتَأْوِيلِ الْأَحْلَامِ بِعَالِمِينَ ۝ وَقَالَ الَّذِي

हम जैसे ज्वाभों की ताभीर नहीं जानते. और उस शम्स ने कडा जिस ने दो आदमियों में से नजात

بِحَا مِنْهُمَا وَادَّكَرَ بَعْدَ أُمَّةٍ أَنَا أُنَبِّئُكُمْ بِتَأْوِيلِهِ

पाई थी और उस को याद आया अेक तवील जमाने के बाद, उस ने कडा के मैं तुम्हे इस ज्वाभ की ताभीर भतलाउंगा,

فَأَرْسَلُونِ ۝ يُوسُفُ أَيُّهَا الصِّدِّيقُ أَفْتِنَا فِي سَبْعِ

इस लिये तुम मुजे भेजो. अे यूसुफ़! अे सिदीक! आप हमें ताभीर दीजिये सात मोटी

بَقَرَاتٍ سِمَانٍ يَأْكُلُهُنَّ سَبْعُ عِجَافٍ وَسَبْعِ

गायों के बारे में जिन को भा रडी हूँ सात हुबली गायें और सात सभल भोशों

سُنْبُلَاتٍ خُضْرٍ وَأُخْرَ يُبَسِّتُ ۖ لَعَلِّي أَرْجِعُ إِلَى النَّاسِ

के बारे में और दूसरे सात भुशक भोशों के बारे में, ताके में उन लोगों के पास वापस जाऊँ

لَعَلَّهُمْ يَعْلَمُونَ ﴿۳۱﴾ قَالَ تَزْرَعُونَ سَبْعَ سِنِينَ دَائِبًا ۗ

ताके उन्हें एलम डो. यूसुफ़ (अलैडिस्सलाम) ने इरमाया के तुम भेती करोगे लगातार सात साल.

فَمَا حَصَدْتُمْ فَذَرُوهُ فِي سُنْبُلِهِ إِلَّا قَلِيلًا

इर जो तुम भेती करो उसे छोड ढो उस के भोशे में मगर थोडा उस में से

مِمَّا تَأْكُلُونَ ﴿۳۲﴾ ثُمَّ يَأْتِي مِنْ بَعْدِ ذَلِكَ سَبْعُ شِدَادٍ

जो तुम जाओ. इर उस के बाद सात सप्त साल आअेंगे जो भा

يَأْكُلْنَ مَا قَدَّمْتُمْ لَهُنَّ إِلَّا قَلِيلًا مِمَّا تَحْصِنُونَ ﴿۳۳﴾

जाअेंगे उसे जो तुम ने उन के लिये पेडले से तैयार किया है मगर थोडा उस में से जो तुम मडकुल रभो.

ثُمَّ يَأْتِي مِنْ بَعْدِ ذَلِكَ عَامٌ فِيهِ يُغَاثُ النَّاسُ

इर उस के बाद अेक साल आअेगा जिस में लोगों पर बारिश भरसाई जाअेगी और उस में

وَفِيهِ يَعْصِرُونَ ﴿۳۴﴾ وَقَالَ الْمَلِكُ انْتُونِي بِهِ ۗ

वो इल नियोडेंगे. और बादशाड ने कडा के तुम उसे मेरे पास ले आओ. युनांये जब यूसुफ़ (अलैडिस्सलाम)

فَلَمَّا جَاءَهُ الرَّسُولُ قَالَ ارْجِعْ إِلَىٰ رَبِّكَ فَسَأَلْهُ مَا بَالُ

के पास कासिड आया, तो यूसुफ़ (अलैडिस्सलाम) ने इरमाया के तू अपने बादशाड के पास वापस जा, इर उस से

النِّسْوَةِ الَّتِي قَطَعْنَ أَيْدِيَهُنَّ ۗ إِنَّ رَبِّي بِكَيْدِهِنَّ

पूछ के उन औरतों का क्या डाल है जिन्हों ने अपने डाय काट दिये थे. यकीनन मेरा रभ उन के मक को भूभ जानता है.

عَلِيمٌ ﴿۳۵﴾ قَالَ مَا خَطْبُكُمْ إِذْ رَأَوْتُنَّ يُوسُفَ

अजीजे मिसर ने पूछा के तुम्हारा क्या वाकिआ है जब तुम ने यूसुफ़ को उस की अत से वरगलाया? उन्होंने ने कडा के

عَنْ نَفْسِهِ ۗ قُلْنَ حَاشَ لِلَّهِ مَا عَلِمْنَا عَلَيْهِ مِنْ سُوءٍ ۗ

अड्लाड की पनाड! डम उन के बारे में कोई भुराई नडी जानते. अजीजे मिसर की भीवी ने कडा के अब डक वाअेड डो गया.

قَالَتِ امْرَأَتُ الْعَزِيزِ الْكُنْ حَصْحَصَ الْحَقِّ ۗ أَنَا رَأَوْتُهُ

मैने उस को वरगलाया था (मुतालभा किया था उस की अत क, न किसी भिडमत क) उस की अत से और यकीनन वो सअ्यों

عَنْ نَفْسِهِ وَإِنَّهُ لَمِنَ الصَّادِقِينَ ﴿۳۶﴾ ذَلِكَ لِيَعْلَمَ أَنِّي

में से है. (यूसुफ़ अलैडिस्सलाम ने इरमाया ये मैंने अपनी बराअत के लिये सभ कुछ भरदाशत किया) ये इस लिये ताके वो (अजीजे

لَمْ أَخْنُهِ بِالْغَيْبِ وَأَنَّ اللَّهَ لَا يَهْدِي كَيْدَ الْخَائِبِينَ ﴿۳۷﴾

मिसर) जान ले के मैंने उस से भयानत नडी की उस की गैभत में और ये के अड्लाड भयानत करने वालों के मक को यलने नडी देते.